जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, शनिवार 18 जनवरी, 2025

विचार बिन्दु

कोयल दिव्य आम रस पीकर भी अभिमान नहीं करती, लेकिन मेंढक कीचड़ का पानी पीकर भी टर्राने लगता है। –प्रसंग रत्नावली

बाजार और साहित्य - नए प्रयोग पुराने आलाप

आज कल साहित्य की दुनिया ने भी ओटीटी जैसे प्लेटफार्म पर अपना अड्डा बना लिया है। इस प्लेटफार्म का नारा है 'खुल' कर लिखो और जम कर बिको। यहां का खुलना ओटीटी की नायिकाओं के अति खुलेपन को टक्कर देता दिखाई देगा। दरअसल आज साहित्य की दुनिया में दो तरह के लेखक, कवि हैं एक वे जो परम्परावाद की पूंछ पर लटके हैं। वे लिखें जा रहे हैं बेस्वाद बेमतलब। कोई उनसे पूछे भाई जी, मैडम साहिबा क्यों लिख रहे हैं जब कोई आपको घास ही नहीं डाल रहा, कोई आपको बांच भी नही रहा तो वे यकायक दार्शनिक मुद्रा ओढ़ कर कहेंगे स्वान्त:सुखाया रघुनाथ गाथा कीजिए। फिर वे घुमाफिरा कर युवा लेखकों, मीडिया हाउसों और अकादमियों पर अपनी भड़ास निकालते दिखेंगे। दूसरे वे लेखक हैं जो बाजार की नब्ज पकड़ कर रखते हैं और उसकी धुनो पर अपनी लेखनी को बैली डांस कराते हैं। वे अपने लेखन को जब एक मुक्कमल मुकाम तक ले जाते हैं तब बाकायदा एक मार्केटिंग टीम और मीडिया मैनजरों के जरिए अपने लेखन की पंहुच बढ़ाते हैं। यह सब सुनियोजित होता है यहां आधुनिकतम तकनीकों के उपयोग की टीम लगी होती है, वे अपने फालोवर्स को करोड़ों तक पंहुचा रहे हैं। यहीं से वे सक्षम सामर्थ्य हासिल कर बाजार का दोहन करना सीख जाते हैं। यहां नैतिकता, सामाजिक मूल्य, धर्म और विज्ञान उतना ही दिखेगा जितना पैकेज की बिक्री के लिए जरूरी है । पुराने लेखक अपने लेखन से पैसे कमाने की सोच भी नही सकते । हां वे रात-दिन पुरस्कारों, सम्मानों और सदरतों का रोना रोते जरूर दिख जाएंगे। वे हर पुरस्कार और सम्मान की घोषणा के साथ रुदालि शुरू करते हैं और उनका विलाप सरकारी अकादमियों के पुरस्कारों की घोषणा के साथ करुण क्रुन्दन में तब्दील हो जाता है और अन्त में एक दूसरे की बांहों की आस्तीनों से अपने आंसू पौंछ लेते हैं। जो इन सब मायावी चीजों से परे होने का दिखावा करते हैं वे आत्म प्रवंचना से मुग्ध हो कर कोऊ नृप भये की तान पर मगन दिखेंगे। बहुत से पुराने लेखक आज भी ओल्ड इज गोल्ड की तरह चमकदार हैं लेकिन वे अंगुलियों पर गिनने योग्य ही हैं। वैसे आपको हर शहर में गिने-गिनाए छंटे-छंटाए वे ही सौ-पचास चेहरे हर साहित्यिक आयोजन की शोभा बढ़ाते दिखेंगे, अरे भाई और लोग कहां हैं उन्हें भी तो आगे लाओ । वैसे भी आज अधिकांश साहित्यकार अपने पैसों से छपाकर किताबें परोस रहे हैं तो उनका दर्द तो समझा ही जा सकता है। आज पूरे देश में ऐसे सौ साहित्यकार भी नही है जिनकी सालभर में दस हजार किताबों का एडिशन बिकता हों।

युवा लेखकों ने प्रिन्ट की लीक तोड़कर इन्टरनेट की दुनिया में अपना मुकाम बनाया है वे हिन्दी के लेखक भी हैं। ऐसे नायक नए तौर तरीकों से सज-धज कर बाजार में हाजिर हैं। वेबदुनिया में वे अपने लिए एक मुक्कमल फोलोवर्स लेकर बहुत आगे निकल चुके हैं। उनके अपने पाडकास्ट हैं, अपने फेसबुक पेज हैं और अपने ही समीक्षक और प्रसंशक हैं। कुल मिलाकर वे नित नया खोज परख और सनसनीखेज परोसते हैं तथा जमकर धन कूट रहे हैं। अपने पापुलर पाडकास्ट पर वे किसी टाइकून का इन्टरव्यू करने के पन्द्रह लाख रुपए ले रहे हैं। आपको पता है ऐसा क्यों है क्योंकि किसी भी उभरने की लालसा वाले व्यक्ति को व्यापक रीच चाहिए जो इन आधुनिक पाडकास्टों से ही सम्भव है। आपकी निगाह में हैं कोई ऐसा आकाधाका पुराना मंजा हुआ लेखक ?

युवा लेखकों ने प्रिन्ट की लीक तोड़कर इन्टरनेट की दुनिया में अपना मुकाम बनाया है वे हिन्दी के लेखक भी हैं। ऐसे नायक नए तौर तरीकों से सज-धज कर बाजार में हाजिर हैं। वेबदुनिया में वे अपने लिए एक मुक्कमल फोलोवर्स लेकर बहुत आगे निकल चुके हैं। उनके अपने पाडकास्ट हैं, अपने फेसबुक पेज हैं और अपने ही समीक्षक और प्रसंशक हैं। कुल मिलाकर वे नित नया खोज परख और सनसनीखेज परोसते हैं तथा जमकर धन कूट रहे हैं।

अब चलिए साहित्य की मल्टीप्लेक्स, मल्टीमीडिया के सम्मिश्रण से बनी चटपटी हाट रेसीपी वाले बाजार में। यहां हिंदी की बिंदी केवल साज सज्जा बतौर मिलती है। हर बड़े शहर में अब ये साहित्य की सजावटी मण्डियां खूब फल-फूल रही हैं। इनकी तर्ज पर छोटे शहरों कस्बों में भी साहित्य के जमावड़े होने लगे हैं। इन छोटे मेलों ख़ेलों को कुछ मशहूर होने के ख्वाहिशमंद अपने पुरखों को वैतरणी पार कराने के नाम पर अपने संसाधन लगा कर दो-चार साल मजमा जुटाते हैं फिर वे भी राम-राम कह देते हैं। वहीं कुछ झोलाछाप लेखक नारायण नारायण करते चंदा चिट्ठा इक्कट्ठा कर थोड़ा सा चंदन आने वाले मेहमानों को लगाकर शेष चांदनी रात में उड़ाते हैं। हां यहां भी चन्द गम्भीर और दिखावे से दूर लोग बड़े जतन से बेहतरीन काम कर रहे हैं उन्हें सौ-सौ सलाम।

बड़े शहरो के साहित्यिक मजमों का मौसम अक्टूबर से फरवरी के बीच होता है। फरफराते फर्राटेदार युवक-युवतियां आपको इन बड़े जलसों में फैशन परेड करते हुए लहराते मिलेंगे। यहां बाजार साहित्य को क्लासिक ढंग से परोसकर बेचता है। नामचीन लोगों को बुलाकर सनसनी फैलाने और विवादों को हवा देते वक्तव्यों की फसलें काटी जाती हैं। किताबों के बीच कला संस्कृति को सलीके से बेचा जाता है। यहां भी परम्परावादी लेखकों का रोना, ये कैसा उत्सव हम स्थापित स्थानीय लेखकों को छोड़कर बाहर वालों की बहार हमसे एंट्री के भी पैसे वसूल रहे हैं।

ऐसे चन्द नामचीन साहित्य महोत्सवों में शामिल हैं– शब्दों की घाटी, देहरादून, बैंगलोर साहित्य महोत्सव, एपीजे कोलकाता साहित्य महोत्सव और जयपुर साहित्य महोत्सव। हिन्दी साहित्य प्रेमियों को शायद इससे प्रेरणा मिले कि अंग्रेजी के मशहूर लेखक खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव, खुशवंत सिंह के नाम पर होता है । इस साहित्यिक उत्सव की शुरुआत 2012 में हुई थी और यह हर साल अक्टूबर में आयोजित होता है। इस उत्सव का आधार कसौली की खूबसूरत पहाड़ियों में है, जहाँ उनका अधिकांश काम हुआ था, और इसलिए यह उनकी विरासत के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है।

आजकल सरकारी साहित्य महोत्सवों की भी धूम शुरू है। ये आयोजन जैसी केन्द्र या राज्य सरकार वैसी उसकी तर्ज पर हो रहे हैं। वैसे वाद वैसे ही संवाद और फिर सार्वजनिक विवाद। आजकल का फार्मूला है फैलाओ विवाद और हासिल करो लोकप्रियता। तो साहेब साहित्य, राजनीति, अर्थतंत्र, मीडिया और फैशन के चौपालें पर खड़ा होकर विचरण कर रहा है होशियार लोग इसे गांठ रहे हैं, कुंठित मण्डली हांफ रही है ।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
अतिथि संपादक साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

राशिफल शनिवार 18 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 2:51 तक, शोभन योग रात्रि 1:16 तक, कौलव करण सायं 6:31 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:28 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज विवाह मुर्हत उत्तरा फाल्गुनी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:40 से 9:54 तक, चर 12:37 से 1:56 तक, लाभ-अमृत 1:56 से 4:34 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:53

मेष
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज यात्रा में परेशानी हो सकती है।

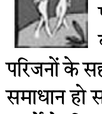

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

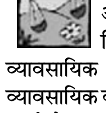

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

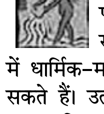

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

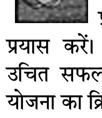

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

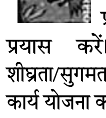

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

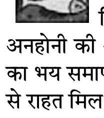

मीन
स्वास्थ्य में सुधार होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मादक पदार्थों का अवैध कारोबार देश के लिए चुनौती

बाल मुकुन्द ओझा

मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत देश के विभिन्न शहरों में बड़ी मात्रा में ड्रग्स के जब्त किये जाने से एक ओर जहां नशे के सौदागरों को यह संदेश है कि उनके अवैध कारोबार को खत्म किया जाएगा, वहीं सरकार की इस प्रतिबद्धता का परिचायक भी कि वह अपने नशा उन्मूलन अभियान को लेकर दृढ़ है। पिछले कुछ वर्षों में तस्करी के जरिये लाए गए नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद की गई हैं और इन पदार्थों का कारोबार करने वालों की गिरफ्तारियां भी की गई हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि जो लोग भारत में नशीले पदार्थ भेज रहे हैं, उनके हौसले पूरी तौर पर पस्त हुए हैं। बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की जब्ती से यह स्पष्ट होता है कि ऐसे उपाय करने की आवश्यकता है, जिससे भारत में नशीले पदार्थ आ ही न सकें। इसके लिए सीमाओं पर चौकसी बढ़ानी होगी और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों पर शिकंजा भी कसना होगा। ऐसे तत्व देश के भीतर भी सक्रिय हैं और बाहर भी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुताबिक वर्ष 2024 में देशभर के पुलिस बलों और को 16,914 करोड़ रूपए मूल्य की ड्रग्स ज़ब्त करने में सफलता मिली है, जो आज़ादी के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। गृह मंत्री का बयान यह साबित करता है कि सरकार की लाख चेष्टा के बावजूद नशे का व्यापार देश में अनवरत चालू है। गृह मंत्री का कहना है, भारत ने पिछले 10 सालों में ड्रग्स के खिलाफ अपनी लड़ाई को काफी मजबूत किया है और इस दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि 2004 से 2014 के बीच लगभग 3 लाख 63 हजार किलो ड्रग्स जब्त किए गए थे, जबकि पिछले 10 वर्षों में यह आंकड़ा बढ़कर 24 लाख किलो तक पहुंच गया है, जो कि सात गुना अधिक है। ड्रग्स की कीमत की बात करें, तो 2004-2014 में जब्त किए गए ड्रग्स का मूल्य लगभग 8,150 करोड़ रुपये था, जो 2014-2024 में बढ़कर 56,851 करोड़ रुपये हो गया है, यानी यह आठ गुना बढ़ा है। भारत में 7 फीसदी लोग गैरकानूनी रूप से ड्रग्स लेते हैं।

देशभर में प्रतिदिन लाखों-करोड़ों की ड्रग्स पकड़ी जा रही है मगर बजाय थमने के यह कारोबार लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सरकार की सख्ती के बावजूद नशे के तस्कर अपनी कारगुजारियों से बाज़ नहीं आ रहे है क्योंकि इस धंधे में उन्हें अंधी कमाई हो रही है। नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़े जाने से एक ओर जहां यह स्पष्ट होता है कि भारतीय एजेंसियां नशे के कारोबारियों के खिलाफ सजग और सक्रिय हैं, वहीं दूसरी ओर यह भी रेखांकित होता है कि ड्रग्स के सौदागर भारत को मादक पदार्थ खपाने का जरिया बना रहे हैं या फिर उसे यहां लाकर अन्यत्र भेजना आसान पा रहे हैं।

नशा समाज की रगों में प्रवेश कर चुका है, जिसके व्यापक नेटवर्क को आम लोगों के सहयोग से ध्वस्त किया जासकता है। नशा एक ऐसी बुराई है, जिसमे मानव का जीवन समय से पहले ही अंधकार और मौत की राह पर चला जाता है। नशाखोरी क्या है? एक खतरनाक बीमारी जिसके क्षणिक सुख के चलते इंसान अपनी जिंदगी से हाथ धो बैठता है। यह केवल एक बीमारी नहीं है बल्कि यह अनेक रोगों की जननी भी है।

नशा मनुष्य को अपराध की ओर ले जाता है जो शांतिपूर्ण समाज के लिए अभिशाप का जहर है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। युवा नशे के मकड़जाल में फंसकर बर्बादी के कगार पर पहुंच रहे हैं। इससे उनकी सेहत तो खराब हो ही रही है साथ ही उनका सामाजिक स्तर भी गिरता जा रहा है। नशे का कारोबार बहुत तेजी से फैल रहा है, जिसमें देश-दुनिया के बड़े रैकेट शामिल हैं। एक अनुमान के मुताबिक हर साल गांजा, चरस, अफीम, ड्रग्स, ब्राउन शुगर, हेरोइन, डेंड्राइट से अरबों रुपये का कारोबार पर्दे के पीछे से ड्रग तस्कर करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नशे का सामान चाय पान की थडियों, मेडिकल स्टोरों और शिक्षण संस्थाओं के आसपास आसानी से उपलब्ध हो जाता है। सुनसान रास्ते व खंडहर इमारतें नशा करने वाले बच्चों व युवाओं के विशेष अड्डे हैं।

नशाखोरी की आदत 12 से 20 साल तक के युवाओं में अधिक देखने को मिल रही है। इससे आने वाली पीढ़ी के भविष्य पर संकटों के बादल मंडराने लगे हैं। कभी चोरी छिपे बिकने वाले नशे का सामान आज धड़ल्ले से बिक रहा है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि युवाओं में नशे के बढ़ते चलन के पीछे आधुनिकता की चकाचौंध भरी बदलती जीवन शैली, परिवार से विभिन्न प्रकार के दबाव, परिवारिक झगड़े, इन्टरनेट की अत्यधिक लत, एकाकी जीवन, परिवार से दूर रहने, पारिवारिक कलह जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। नशा, नाश का मूल है। यह स्वास्थ्य और सामाजिक प्रतिष्ठा को क्षय करता है।

तमाम बंदिशों के बावजूद ड्रग्स का कारोबार फल-फूल रहा है और युवाओं के साथ ही अब वह स्कूदली छात्रों को भी निशाना बना रहा है। नशे का धंधा तेजी से बढ़ रहा है और वजह से ज्यादा से ज्यादा मुनाफा। अपने फायदे के लिए युवाओं को नशे की लत लगाई जा रही है। फिर चाहे नशा शराब का हो शबाब का हो या फिर नशीली ड्रग्स का। नशे के रूप में लोग शराब, गाँजा, जर्दा, ब्राउन.शुगर, कोकीन, स्मैक आदि मादक पदार्थों का प्रयोग करते हैं, जो स्वास्थ्य के साथ सामाजिक और आर्थिक दोनों लिहाज से ठीक नहीं हैं। नशे का आदी व्यक्ति समाज की दृष्टी से हेय हो जाता हैं, और उसकी सामाजिक क्रियाशीलता जीरो हो जाती हैं, फिर भी वह व्यसन को नहीं छोड़ता हैं।

धूम्रपान से फेफड़े में कैंसर होता हैं, वहीं कोकीन, चरस, अफीम लोगों में उत्तेजना बढ़ाने का काम करती हैं, जिससे समाज में अपराध और गैरकानूनी हरकतों को बढ़ावा मिलता हैं। इन नशीली वस्तुओं के उपयोग से व्यक्ति पागल और सुप्तावस्था में चला जाता हैं। तम्बाकू के सेवन से तपेदिक, निमोनिया, साँस की बीमारियों का सामना करना पड़ता हैं। इसके सेवन से जन और धन दोनों की हानि होती हैं।

–बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

प्रदेशभर में हिंदी मीडियम के 260 सरकारी स्कूल बंद किये

■ बीकानेर में भाजपा विधायक के घर के सामने गर्ल्स स्कूल मर्ज, यहां 300 छात्राएं पढ़ रही हैं

बीकानेर, (निसं)। राज्य सरकार ने पिछले 10 दिनों में 450 सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने देर रात प्रदेशभर में 260 सरकारी स्कूल बंद होने का आदेश निकाला। करीब 10 दिन पहले भी 190 स्कूलों को बंद किया गया था। बंद किए गए सभी स्कूल हिंदी मीडियम के हैं। वहीं बीकानेर में भाजपा विधायक के घर के सामने स्थित गर्ल्स स्कूल को भी बंद कर दिया गया है। इस स्कूल को कम छात्र संख्या बताते हुए बंद कर बॉयज स्कूल में मर्ज किया गया है, जबकि यहां करीब 300 छात्राएं पढ़ रही हैं।

बंद किए गए 260 स्कूलों में से 14 स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल हैं, जहां बच्चों का नामांकन कम है। इन स्कूलों को बंद कर पास के दूसरे स्कूल में मर्ज किया गया है। इनमें जयपुर, अजमेर, पाली, ब्यावर, बीकानेर, हनुमानगढ़, उदयपुर और जोधपुर के स्कूल शामिल है। 9 प्राइमरी और अपर प्राइमरी तक के ऐसे स्कूल बंद किए गए हैं, जो सीनियर सेकेंडरी स्कूल के भवन या उनके पास में संचालित हो रहे थे। इन स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मर्ज किया गया है। इनमें जालोर, अजमेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, जोधपुर और डूंगरपुर के स्कूल शामिल है। जयपुर के 2 प्राइमरी स्कूलों को पास के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मर्ज किया गया है। इन प्राइमरी स्कूलों में बच्चों का नामांकन कम था।

प्रदेश के 200 प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्कूल को जीरो छात्र संख्या के कारण बंद किया गया है। इन स्कूलों को पास के ही सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मर्ज किया गया है। इसमें अजमेर, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर, खैरथल-तिजारा, बांसवाड़ा, बारां, बालोतरा, बाड़मेर, भरतपुर, डीग, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, जोधपुर, फलोदी, करौली, कोटा, डीडवाना-कुचामन, नागौर, पाली, प्रतापगढ़ , राजसमंद, सीकर, सिरोही, उदयपुर, सलूंबर के स्कूल बंद किए गए हैं। इसके अलावा प्रारंभिक शिक्षा के 35 ऐसे स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है, जहां छात्रों की नामांकन संख्या कम है। इन स्कूलों को पास के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मर्ज किया गया है। इनमें अजमेर, ब्यावर, बारां, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, डीग, डीडवाना-कुचामन, डूंगरपुर, सवाई माधोपुर, जयपुर, जालोर, खैरथल-तिजारा, कोटा, राजसमंद, टोंक और उदयपुर के स्कूल शामिल है।

बीकानेर शहर में रहने वाले कोलायत के विधायक अंशुमान सिंह भाटी के घर के ठीक सामने स्थित सरकारी बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल को भी बंद कर दिया गया है। इस स्कूल को कम छात्र संख्या बताते हुए बंद किया गया है, जबकि यहां करीब 300 छात्राएं पढ़ रही हैं। क्षेत्र के लोगों ने अब अंशुमान सिंह और उनके दादा पूर्व विधायक देवी सिंह भाटी के सामने इस मुद्दे को रखा है। इस स्कूल को अब इसी परिसर में चलने वाली बॉयज स्कूल में मर्ज किया गया है। सरकार ने पिछले दिनों मंत्रियों की एक कमेटी बनाकर अंग्रेजी माध्यम के महात्मा गांधी स्कूलों की समीक्षा शुरू की थी। इन मंत्रियों की कमेटी ने अब तक कोई सिफारिश नहीं की है। ऐसे में राज्यभर में एक भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल बंद नहीं हुई है, जबकि हिंदी मीडियम के 450 स्कूल बंद हो गए हैं।

जम्मूतवी में कार्य के चलते 13 ट्रेनों के कुछ फेरे निरस्त किये

कोटा, (निसं)। जम्मूतवी स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के लिए जम्मूतवी यार्ड में दिनांक 15 जनवरी से 06 मार्च तक नान इंटरलाकिंग कार्य के कारण कोटा से एवं कोटा होकर संचालित होने वाली 13 गाड़ियों के कुछ फेरे निरस्त किए गए है। गाड़ी संख्या 22941 इंदौर-मार्टियर कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर) एक्सप्रेस 20, 27 जनवरी, 03, 10, 17, 24 फरवरी एवं 03 मार्च को निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 22942 मार्टियर कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर)-इंदौर एक्सप्रेस 22, 29 जनवरी, 05, 12, 19, 26 फरवरी एवं 05 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 20985 कोटा-मार्टियर कैप्टन तुषार महाजन(उधमपुर) एक्सप्रेस 22, 29 जनवरी, 05, 12, 19, 26 फरवरी एवं 05 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 20986 मार्टियर कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर)-कोटा एक्सप्रेस 23, 30 जनवरी, 06, 13, 20, 27 फरवरी एवं 06 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 19803 कोटा-श्री माता वैष्णों देवी कटरा एक्सप्रेस 18, 25 जनवरी, 01, 08, 15, 22 फरवरी एवं 01 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 19804 श्री माता वैष्णों देवी कटरा-कोटा एक्सप्रेस 19, 26 जनवरी, 02, 09, 16, 23 फरवरी एवं 02 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनल-श्री माता वैष्णों देवी कटरा स्वराज एक्सप्रेस 02 एवं 03 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12472 श्री माता वैष्णों देवी कटरा-बांद्रा टर्मिनल स्वराज एक्सप्रेस 04, 05 एवं 07 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12475 हापा-श्री माता वैष्णों देवी कटरा एक्सप्रेस 04 मार्च को निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 12476 श्री माता वैष्णों देवी कटरा-हापा एक्सप्रेस 03 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12477 जामनगर-श्री माता वैष्णों देवी कटरा एक्सप्रेस 05 मार्च निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12474 श्री माता वैष्णों देवी कटरा-गांधीधाम सर्वोदय एक्सप्रेस 06 मार्च को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12473 गांधीधाम-श्री माता वैष्णों देवी कटरा सर्वोदय एक्सप्रेस 01 मार्च को निरस्त रहेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध किया है कि असुविधा से बचने के लिए उक्त ट्रेन की उचित जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

सड़क दुर्घटना मामले में 53.81 लाख रूपये का अवार्ड पारित

अक्टूबर 2020 के मामले में अवार्ड पारित

तारानगर, (निसं)। न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के तारानगर पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना मामले में कुल 53.81 लाख रूपये का आवार्ड पारित किया।

पीड़ित पक्ष की तरफ से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि 19 अक्टूबर 2020 को गांव ढाणा पट्टा सात्युं निवासी संजय पुत्र ओमप्रकाश व मांगीलाल पुत्र गोपीराम मोटरसाइकिल से ढाणा भाकरान से तारानगर आ रहे थे तो ढाणा भाकरान अड्डा पास पहुंचे तो गांव के ही सुरेश पुत्र मनफुल, विक्रम पुत्र ओमप्रकाश सड़क की साइड में खड़े थे। इन दोनों को देखकर संजय व मांगीलाल भी अपनी मोटरसाइकिल को रोककर साइड में खड़े होकर चारों आपस में बात कर रहे थे।

इतने में ही तारानगर की तरफ से ट्रक का चालक लिखमाराम मेघवाल निवासी बाड़मेर ने ट्रक को तेज गति व लापरवाही से चलाकर साइड में खड़े चारों लड़कों के टक्कर मारी, जिससे चारों लड़के गम्भीर रूप से घायल हो गये। भालेरी की तरफ से आ रही बोलेरो गाड़ी में सवार व्यक्तियों ने चारों लड़कों को बोलेरो गाड़ी में डालकर सरकारी अस्पताल तारानगर लेकर आये, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

उक्त दुर्घटना का मुकदमा तिलोकाराम पुत्र ओमप्रकाश जाट ने पुलिस थाना तारानगर में दर्ज करवाया। पुलिस ने अनुसंधान कर ट्रक चालक के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। सभी मृतकों की ओर से उनके माता-पिता की ओर से न्यायालय में क्लेम याचिका पेश की। पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने पत्रावलियों का अवलोकन कर पत्रावली पर आई साक्ष्यों के आधार पर प्रार्थी मनफुल आदि के पक्ष में 13.47 लाख रूपये, प्रार्थीया गुड्डी आदि के पक्ष में 13.47 लाख रूपये, गोपीराम आदि 13.99 लाख रूपये, प्रार्थी ओमप्रकाश के पक्ष में 12.86 लाख रूपये का अवार्ड पारित कर अप्रार्थी बीमा कम्पनी को कुल राशि मय ब्याज 53.81 लाख रूपये अदा करने का आदेश प्रदान किया।

काजरी में लहलहाया "रेगिस्तानी सेब"

कम खर्च में शानदार मुनाफा वाली नकदी फसल है सेब

■ काजरी द्वारा विकसित गोला किस्म के बेर को रेगिस्तान का सेब कहा जाता है, सेब का उत्पादन इस बार जोरदार हुआ है, क्योंकि पूरे पश्चिमी राजस्थान में अच्छी बारिश हुई थी

जोधपुर, (कासं)। पश्चिमी राजस्थान में केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान काजरी द्वारा कम पानी या भारी पानी में भी नकदी फसल लेने के लिए प्रोत्साहित की गई बेर की खेती लाभदायक साबित हो रही है। किसानों के खेतों अन्य फसलों की तरह ही काजरी में विकसित बेर की किस्मों की फसल भी लहलहा रही है। काजरी द्वारा विकसित गोला किस्म के बेर को रेगिस्तान का सेब कहा जाता है। सेब का उत्पादन इस बार जोरदार हुआ है, क्योंकि पूरे पश्चिमी राजस्थान में अच्छी बारिश हुई थी।

काजरी के वैज्ञानिक डॉ. धीरज सिंह बताते हैं कि हमारे यहां 40 से ज्यादा बेर की किस्मों का संग्रह किया गया है। नई किस्मों पर भी काम चल रहा है। गोला बेर का पेड़ 50 से 70 किलो फल एक सीजन में देता है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के किसान अपनी रोजमर्रा की खेती के साथ-साथ बेर का उत्पादन करने लगा है। खेत के अलग-अलग हिस्सों में बेर के पेड़ लगाए जा सकते हैं। 3 वर्ष के बाद पेड़ फल देना शुरू कर देते हैं। उन्होंने बताया कि किसान द्वारा सामान्य खेती की सिंचाई से ही बेर के पेड़ को पानी मिल जाता है। इसके अलावा एक बार पेड़ लगने के बाद बारिश के पानी से ही हर साल फल प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ता, बल्कि किसान हर वर्ष अतिरिक्त आमदनी ले सकता है।

बेर की फसलों पर सर्वाधिक शोध जोधपुर काजरी में हुआ है, जिससे देश के किसानों के लिए कई किस्में विकसित की गई हैं, जो कम पानी में पनपती हैं, जिसका फायदा किसानों को होता है। इन दिनों यहां पर कश्मीरी सेब नामक किस्म पर काम चल रहा है। काजरी अब तक 42 किस्म के बेर उत्पादित कर चुका है। बेर उत्पादन में सबसे पहले गोला बेर आता है। आगे धीरे-धीरे एप्पल, टिकडी, इलायची व थाई एप्पल का फल आएगा। गोला के अलावा प्रमुख रूप से पश्चिमी राजस्थान में सेब, कैथली, छुहारा, दंडन, उमरान, काठा, टिकडी, इलायची व थाई एप्पल जनवरी से मार्च तक बाजार में बिकते हैं।

काजरी के वैज्ञानिक बताते हैं कि बड़-छोटी जोत के किसान अपने खेत के चारों तरफ 20-30 पेड़ लगाकर हर साल 30 से 45 हजार रुपये की अतिरिक्त आय कर सकते हैं। छोटी जोत के किसान बेर का बगीचा लगा सकते हैं। दिसंबर से मार्च तक बेर की फसल आती है। पश्चिमी राजस्थान में एक हजार एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में किसान अभी बेर की खेती करते हैं।

आरपीएससी में पदोन्नति समिति की बैठक हुई

अजमेर, (कासं)। राज. लोक सेवा आयोग में संस्कृत शिक्षा विभाग की पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई। आयोग सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न पदों पर पदोन्नति के 992 प्रकरणों पर चर्चा की गई। बैठक में उपनिदेशक, संभागीय संस्कृत शिक्षाधिकारी, प्रधानाचार्य (वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय), प्रधानाध्यापक (प्रवेशिका विद्यालय), प्राध्यापक (विभिन्न विषय) और वरिष्ठ अध्यापक (विभिन्न विषय टीएसपी एवं नॉन टीएसपी) के पदों पर पदोन्नति के मामलों को शामिल किया गया। बैठक में शासन सचिव संस्कृत शिक्षा पूनम, महर्षि दयानंद सरस्वती वि.वि. की रजिस्ट्रार एवं कार्मिक विभाग की प्रतिनिधि प्रिया भार्गव, आयुक्त संस्कृत शिक्षा राज. प्रियंका जोधावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 178 प्रभात बीकानेर, शनिवार 18 जनवरी, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

कंगना रानौत ने दिल्ली के चुनाव से पूर्व भाजपा के लिये नई मुश्किल खड़ी की

कंगना की फिल्म ''इमरजैंसी'' में दर्शाया गया है कि भिंडरवाला ने इंदिरा गांधी से सांठ-गांठ की थी कि अगर वे एक अलग सिख राज्य का गठन कर देती हैं तो वे सिख वोट कांग्रेस की झोली में डलवा देंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति का इस बारे में कहना है कि यह कथानक सिख समुदाय को आतंकवादी व देशद्रोही के रूप में बदनाम करने व छवि बिगाड़ने का प्रयास है। क्योंकि, तब तक तो उस समय भिंडरवाला के राजनीतिक जीवन की शुरुआत भी नहीं हुई थी।**
- **बल्कि, पंजाब के नेतागण, विशेषकर वो, जो शिरोमणि अकाली दल के सदस्य थे, उदाहरण के लिये प्रकाश सिंह बादल व गुरुचरण सिंह टोहरा, ने कई शांतिपूर्ण प्रदर्शन किये थे, जब इंदिरा गांधी ने इमरजैंसी लागू करने का निर्णय लिया था।**
- **पंजाब में कंगना रानौत की फिल्म का प्रदर्शन रद्द कर दिया गया है, सिख समुदाय के विरोध के कारण।**
- **सिख, दिल्ली में भारी संख्या में हैं। अतः इस फिल्म के कारण वहाँ के सिख वोटर का विरोध भाजपा को भारी पड़ सकता है।**

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भाजपा सांसद कँगना रानौत ने अपनी पार्टी को एक बार फिर संकट में डाल दिया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एसजीपीसी) तथा अन्य सिक्ख संगठनों ने आज अमृतसर तथा अन्य जिलों के उन सिनेमा हॉलों के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया, जहाँ अभिनेत्री से राजनेता बनी कँगना रानौत की फिल्म ''इमर्जेंसी'' दिखाई जाने वाली थी।

इसके बाद, सिनेमा प्रबन्धन ने किसी भी प्रकार की अनहोनी घटना से बचने के लिये फिल्म-प्रदर्शन की अपनी योजनाएं टाल दीं। इस बीच, सम्बंधित मल्टीप्लेक्सों, मॉलों तथा थिएटरों के बाहर, निरोधक उपायों के रुप में, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई।

एसजीपीसी ने आरोप लगाया कि फिल्म का कथानक गलत है तथा इसमें सिक्खों की बुरी छवि प्रस्तुत की गई है और उन्हें उग्रवादी एवं राष्ट्र-विरोधी चित्रित किया गया है। एसजीपीसी ने आरोप लगाया कि इस फिल्म में जरनैल सिंह भिन्डरवाले के माध्यम से प्रस्तुत की गई सिक्खों की भूमिका तथ्यात्मक रुप गलत है।

रानोत, जिन्हें ''विवादों की रानी'' कहा जाता है, इससे पहले भी अपने गैर जिम्मेदाराना बयानों और कार्यों से भाजपा के लिये बड़ी उलझन भरी स्थिति पैदा कर चुकी हैं, लेकिन इस बार की स्थिति बिल्कुल अलग है, क्योंकि सिक्ख ऐसे समय पर नाराज हो गये हैं, जब दिल्ली विधानसभा के चुनावों का प्रचार चल रहा है। दिल्ली में सिक्ख अच्छी- खासी संख्या में हैं।

फिल्म के रिलीज की पूर्व संध्या पर, एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवन्त सिंह मान तथा सभी जिलों के जिला कलैक्टरों से माँग की थी कि वे राज्य में फिल्म पर रोक लगा दें, अन्यथा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किये जायेंगे।

एसजीपीसी की धर्म प्रचार कमेटी के सदस्य अजायब सिंह अभ्यासी, जिन्होंने पीवीआर सूरज चन्दा तारा सिनेमा पर फिल्म के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व किया, ने कहा कि एसजीपीसी के प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन किया है तथा फिल्म शो निरस्त कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, ''हमने विरोध - प्रदर्शन तभी निरस्त किया, जब सिनेमा कॉम्प्लेक्सों के प्रबन्धन ने हमें फिल्म न चलाने का आश्वासन दे दिया। अमृतसर के एक मल्टीप्लैक्स में कुछ एडवांस बुकिंग हो गई थीं, जिनका पैसा टिकट खरीदने वालों को वापस कर दिया जायेगा।''

इस फिल्म में भारत में आपातकाल, जिसकी घोषणा 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने की थी, की उत्तेजनापूर्ण अवधि के खोजपूर्ण हालात प्रस्तुत किये गये हैं।

14 अगस्त, 2024 को रिलीज किये गये टीज़र में, भिन्डरवाले इंदिरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ठेकेदार पदमचंद को जेजेएम मिशन के ईडी प्रकरण में जमानत मिली

जयपुर, 17 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले में पीएचईडी के ठेकेदार पदमचंद जैन को ईडी प्रकरण में जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस विनोद चन्द्रन की पीठ ने यह आदेश पदम चंद की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत घोटाले के मूल केस में पहले की पदम चंद को जमानत दे चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि जिस मंत्री को फायदा देने के लिए कथित लेनदेन हुआ है, उस मंत्री को मामले में आरोपी ही नहीं बनाया गया है। अदालत ने कहा

- **सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री को आरोपी नहीं बनाने के आधार पर ठेकेदार को जमानत दी।**

कि मामले के मुख्य साक्ष्य दस्तावेज के रूप में हैं और ईडी उन्हें पहले ही जब्त कर चुकी है। इसलिए उनसे छेड़छाड़ की संभावना नहीं है। वहीं, प्रकरण में हजारों दस्तावेजों के साथ ही करीब 50 गवाहों का परीक्षण भी होना है, जिसमें समय लगने की संभावना है। इसलिए आरोपी को जमानत दी जाती है।

एसएलपी में पदमचंद जैन की ओर से कहा गया कि प्रकरण में समान भूमिका वाले अन्य आरोपियों को पूर्व में जमानत का लाभ दिया जा चुका है। इसके अलावा, वह लंबे समय से जेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धारमैया व शिवकुमार के बीच कर्नाटक के मु.मंत्री पद का झगड़ा चरम पर पहुँचा

यह समझौता हुआ था कि ढाई-ढाई साल तक दोनों मु.मंत्री रहेंगे?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **अब सिद्धारमैया शासन का ढाई साल पूरा होने का समय आ रहा है, पर, सिद्धारमैया कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं नज़र आते।**
- **बल्कि, सिद्धारमैया के खेमे ने अभियान शुरु किया है कि शिवकुमार को प्रदेशाध्यक्ष का पद छोड़ देना चाहिये, क्योंकि वे प्रदेशाध्यक्ष होने के साथ-साथ उप मुख्यमंत्री भी हैं तथा महत्वपूर्ण पद संभाले हुए हैं।**
- **शिवकुमार की पोज़ीशन कुछ कमज़ोर हुई है, क्योंकि गत लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन ज्यादा ठीक नहीं रहा, कांग्रेस 28 सीटों में से केवल नौ सीटें ही जीत पाई थी।**

नई दिल्ली, 17 जनवरी। मुद्दा गर्माया वर्ष 2025 शुरु होने पर, जिस वर्ष में कर्नाटक राज्य की सत्ता मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के हाथ से उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के हाथों में जानी थी।

हाईकमान के हस्तक्षेप के बावजूद, कर्नाटक कांग्रेस में नए सिरे से शुरु हुआ घमासान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। निजी डिनर मीटिंग हुई हैं और नए पी.सी.सी. प्रमुख की नियुक्ति के लिए खुले तौर पर आह्वान किया गया है, जिससे 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य कांग्रेस में व्याप्त गुटबाजी फिर से नज़र आने लगी है।

घटनाक्रमों का सिलसिला नए साल की शुरुआत से शुरु हुआ। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया का यह अंतिम वर्ष होगा, जिसके बारे में उनके और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच ''पावर शेयरिंग'' फार्मूला तय हुआ था और जिसके तहत दोनों को ढाई-ढाई साल के लिए राज्य की सत्ता संभालनी थी।

तथापि, इस बात की कभी भी कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि, शिवकुमार खेमे की तरफ से इस बारे में दावे सामने आते रहे हैं।

अब, जहाँ सिद्धारमैया के समर्थक यह सुनिश्चित करने के लिए उनके खेमे को लामबंद कर रहे हैं कि वे अपना कार्यकाल पूरा करें, वहीं, शिवकुमार के समर्थक माहौल को गर्म रख रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि हाल ही में सिद्धारमैया ने नेतृत्व में बदलाव से इन्कार करते हुए, शिवकुमार पर सीधा हमला किया। सिद्धारमैया खेमे ने भी यह मांग करते हुए दबाव बनाया है कि शिवकुमार पी.सी.सी. अध्यक्ष का पद छोड़ें, क्योंकि वे मंत्री भी हैं।

इस सप्ताह के प्रारंभ में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह विवाद सामने आया, जहाँ, शिवकुमार तथा सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी, लोक निर्माण विभाग मंत्री सतीश जरकीहोली जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के निर्माण को लेकर भिड़ गए।

सिद्धारमैया के एक वरिष्ठ मंत्री, जो मुख्यमंत्री के समर्थक भी हैं, ने हाल ही में कहा, ''यदि पावर शेयरिंग फार्मूला है भी, तो वो सिद्धारमैया के ढाई साल सत्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के निर्णय पर ''स्टे'' लगाया

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश था कि दिल्ली सरकार, केन्द्रीय सरकार से अनुबंध (एमओयू) करे, प्र.मंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के लिये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **दिल्ली हाई कोर्ट का मानना था कि जब देश के 33 राज्य व केन्द्र शासित क्षेत्र इस एमओयू पर हस्ताक्षर करके, जनता को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा रहे हैं तो दिल्ली सरकार का ऐसा न करना गैर वाजिब है।**
- **दिल्ली सरकार के अधिवक्ता का तर्क था कि यह सच है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने का 60 प्रतिशत खर्चा केन्द्रीय सरकार देगी, पर, सेवा चलाने का खर्चा केन्द्रीय सरकार नहीं देगी।**

नई दिल्ली, 17 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के दिसम्बर, 2024 के उस आदेश पर स्टे लगा दिया, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना की आम आदमी पार्टी सरकार को निर्देश दिये गये थे कि वह राष्ट्रीय राजधानी में ''प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) स्कीम के क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ मैमोरैन्डम ऑफ अन्डरस्टैन्डिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर दे।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई तथा ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की बैंच ने नोटिस जारी करके, उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर, केन्द्र सरकार से जवाब मांगा है।

दिल्ली सरकार की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रश्न किया कि उच्च न्यायालय, राज्य सरकार को केन्द्र सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिये बाध्य कैसे कर सकता है।

सिंघवी ने बैंच को बताया कि अगर एमओयू पर हस्ताक्षर हो जाते हैं, तो केन्द्र सरकार पूँजीगत व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा वहन करेगी तथा दिल्ली सरकार को 40 प्रतिशत व्यय वहन करना होगा, लेकिन केन्द्र इस स्कीम के संचालन पर होने वाले खर्च का कोई भाग साझा नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन स्कीम के संचालन के वित्तीय घटक के मुद्दे का संकेत देने के बाद, सिंघवी ने अदालत को बताया कि दिल्ली सरकार की अपनी स्वयं की स्कीम की पहुँच एवं विस्तार (रीच एंड कवरेज) केन्द्र की योजना से काफी बड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सूचना सहायक भर्ती में नियुक्ति पत्र देने पर रोक जारी

जयपुर, 17 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना सहायक भर्ती-2023 के विवादित प्रश्न-उत्तर मामले में नियुक्ति पत्र जारी करने पर लगी रोक को जारी रखा है। इसके साथ ही, अदालत ने कर्मचारी चयन बोर्ड को कहा है कि वह विवादित एवं तकनीकी सवाल के लिए संबंधित विषय के

- **हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड के विवादित सवाल के विषय विशेषज्ञ को सहयोग करने के लिये बुलाने के आदेश दिये हैं।**

विशेषज्ञ को सहयोग करने के लिए अदालत में पेश करे। इसके साथ ही, अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वह अपने संभावित अंक बताए और उसका एक सवाल सही माना जाए तो क्या वह मैरिट में जा सकता हैं। जस्टिस समीर जैन ने ये आदेश बबीता बाई बैरवा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि विवादित प्रश्नों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुम्बई-अहमदाबाद ''बुलेट ट्रेन'' प्रोजैक्ट में अब और देरी होगी!

देरी का कारण इस बार प्रोजैक्ट के लिये भूमि अवाप्ति नहीं, बल्कि ट्रेन के आधुनिक जापानी डिब्बों की कीमत है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **जापानी डिब्बे (कम्पार्टमैंट) की कीमत 50 करोड़ रूपए प्रति डिब्बा है, पर, यूरोपियन निर्माता इससे आधी कीमत पर ये डिब्बे देने को तैयार हैं।**
- **जापान का जवाबी तर्क है, प्रोजैक्ट के लिए अधिकांश पैसा जापान दे रहा है, बहुत ही आसान शर्तों पर, जैसे- बीस साल तक पैसे की अदायगी पर ''मोरिटोरियम'' (धन अदायगी अवधि) बीस साल है तथा ऋण इसके बाद, 50 साल में लौटाया जायेगा तथा ब्याज दर केवल 0.1 प्रतिशत होगी। अतः डिब्बों की कीमत को अलग से आंकना जायज नहीं है।**
- **रेल मंत्रालय इस दुविधा को सुलझाने के लिये कोई निर्णय नहीं ले पाया है, अतः प्रोजैक्ट में देरी होती जा रही है।**

नई दिल्ली, 17 जनवरी। शिंकान्सेन रैक्स के लिए रोलिंग स्टॉक अनुबंध को अंतिम रुप देने में हो रही देरी के कारण, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एम.ए.एच.एस.आर.) कॉरीडोर पर अगले साल परीक्षण आयोजित करने का भारत का लक्ष्य और अधिक आगे बढ़ सकता है।

रेल मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पहले घोषणा की थी कि सूरत से बिलीमोरा के बीच 56 किमी के खंड पर 2026 में परीक्षण शुरु किए जाएंगे।

परियोजना का निर्माण कार्य 2017 में शुरु हुआ था, जिसका 2024 तक पूरा होने का लक्ष्य था। लाइन पहले ही लगभग पांच साल की देरी से चल रही है। जबकि, भूमि पूरी तरह से अधिग्रहीत की जा चुकी है और सिविल कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन जापान और भारत के बीच शिंकान्सेन कोचों की खरीद के बारे में असहमति एक रोडब्लॉक बन गई है। जापान प्रति कोच 50 करोड़ रुपये की कीमत पर पुनः बातचीत करने के लिए तैयार नहीं है, वहीं, यूरोपीय निर्माताओं का कहना है कि वे हाई स्पीड कोच आधी दर पर प्रदान कर सकते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के, जापान को रोलिंग स्टॉक की लागत को कम करने के लिए मनाने के प्रयासों का कोई परिणाम नहीं निकला है।

भारत को 400 हाई स्पीड कोचों की आवश्यकता है, जो जापानी शिंकान्सेन से 20,000 करोड़ रुपये में आएंगे, जबकि यूरोपीय कंपनियां, जैसे एल्स्टॉम और सीमन्स इन्हें 10,000 करोड़ रुपये में देंगी। जापान का कहना है कि चूंकि इस परियोजना को जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी द्वारा फण्ड किया जा रहा है, इसलिए रोलिंग स्टॉक पर मूल्य निर्धारण को अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, यह कहा जाता है कि भारत को शिंकान्सेन रैक्स की खरीद पर अतिरिक्त धन नहीं खर्च करना पड़ेगा, क्योंकि ये कुल परियोजना फण्डिंग के माध्यम से आएंगे। इसके अतिरिक्त, भारत शिंकान्सेन रैक्स की खरीद पर वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) के रुप में राजस्व भी प्राप्त करेगा। दूसरी ओर, भारत को यूरोपीय निर्माताओं से हाई स्पीड कोच खरीदने के लिए अग्रिम भुगतान करना पड़ेगा।

एम.ए.एच.एस.आर. के लिए आवश्यक 80 प्रतिशत धन जीका द्वारा 50 साल की लोन अवधि पर, 0.1

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

31जनवरी से संसद सत्र, 1 फरवरी को बजट

नई दिल्ली, 17 जनवरी। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। इस सत्र में 1 फरवरी को आम बजट पेश किया जाएगा। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होकर 4 अप्रैल तक जारी रहेगा। बजट सत्र के दौरान, दिल्ली

- **बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक तथा दूसरा 10 मार्च से 4 अप्रेल तक चलेगा।**

चुनाव के दिन संसद की कार्यवाही नहीं चलेगी। वहीं, 3 फरवरी से राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर चर्चा शुरू होगी।

परंपरा के अनुरूप, सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक से होगी, जिसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पिछली सरकार में फर्जी डिग्रियों से मिली थी, कई लोगों को शारीरिक शिक्षक की नौकरी!

अभ्यर्थियों ने फर्जी डिग्रियां, गलत रोल नंबर और दस्तावेज पेश किये, परंतु तत्कालीन अफसरों ने बिना जांचे इन लोगों को नौकरियां दे डाली थीं

- **अब सरकार ने पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में धांधली करने वालों की जांच शुरू की तो गहलोत सरकार के नये-नये काले कारनामे उजागर हो रहे हैं।**
- **जिन लोगों ने फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाई, उन्होंने ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश की श्री सत्य सांई यूनिवर्सिटी, जे.एस. यूनिवर्सिटी और कलिंगा विश्वविद्यालय की ''डिग्रियां'' दस्तावेज सत्यापन के समय पेश की थीं।**

जयपुर, 17 जनवरी (कासं)। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में जैसे सब इंस्पेक्टर भर्ती-2021 के पेपरलीक का मामला सुर्खियों में रहा और अब फर्जीवाडे व चीटिंग के नये-नये खुलासे हो रहे हैं। ऐसा ही दूसरा मामला शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती-2022 में भी सामने आया है। इस परीक्षा में अभ्यर्थियों ने फर्जी डिग्रियां और दस्तावेजों के दम पर नौकरियां तक हासिल कर ली। जबकि राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग की शर्तों में साफ उल्लेख था कि अगर कोई अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के समय गलत जानकारी देगा तो उसका आवेदन पत्र संशोधन की तिथि के बाद मंजूर नहीं किया जायेगा।

ज्ञात रहे कि इस भर्ती में बी.पी.एड. (बैचलर इन फिजिकल एजुकेशन) की डिग्री प्राप्त होना आवश्यक था, इसलिए कई अभ्यर्थियों ने आवेदन के समय खुद का रिजल्ट और डिग्रियां लंबित अथवा दूसरे विश्वविद्यालयों का नाम और रोल नंबर बता दिए। हैरानी की बात यह है कि इन अभ्यर्थियों की कारगुजारी को दस्तावेज सत्यापन के समय तत्कालीन गहलोत सरकार के सरकारी महकमों ने भी नजर अंदाज कर दिया था और उन्हें नौकरी तक दे डाली।

अब सरकार ने पिछली सरकार के समय भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक और फर्जीवाडे से नौकरी पाने वालों की जांच शुरू करवाई तो गहलोत सरकार के काले कारनामे उजागर हो रहे हैं। राज्य कर्मचारी चयन आयोग और शिक्षा विभाग ने ऐसे अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच शुरू की तब इनमें भारी गफलत मिली है। इनमें सबसे पहले उन लोगों को टारगेट किया गया, जिनके आवेदन फॉर्म और दस्तावेज सत्यापन में ''मिसमैच'' था।

जालौर जिले से सामने आये कुछ प्रकरणों के अनुसार, अभ्यर्थी गणपत लाल ने फर्जी दस्तावेजों ने शारीरिक शिक्षा अध्यापक की नौकरी हासिल की और 11 सितंबर 2023 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सिलोसन में कार्यभार भी संभाल लिया था। जब गणपतलाल के कागजातों की जांच की तो सामने आया कि 22 जुलाई 2022 को आवेदन के समय गणपतलाल ने बी.पी.एड. मध्यप्रदेश की स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर से करना बताया था। उसने अपना परिणाम लंबित (अवेटेड) बताते हुए रोल नंबर अंकित नहीं किया था। बाद में दस्तावेज सत्यापन के समय चूरू की ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय की चतुर्थ सेमेस्टर की ऑनलाइन अंकतालिका पेश की, जिसका रोल नंबर ''22बीपीईडी2534'' अंकित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिंडीकेट बैंक घोटाले के मास्टर माइन्ड की प्रॉपर्टी पर यथास्थिति के आदेश

जयपुर, 17 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 1300 करोड़ रुपए से जुड़े सिंडीकेट बैंक घोटाले के ईडी मामले में मास्टर माइंड सीए भरत बंब की प्रॉपर्टी पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है। वहीं, मामले में फैसला सुरक्षित रखते हुए बाद में देना

- **हाई कोर्ट की डबल बैंच ने यह आदेश केन्द्र सरकार की विशेष अपील याचिका पर दिये।**

तय किया है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह निर्देश केन्द्र सरकार की विशेष अपील याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अपील में हाईकोर्ट की एकलपीठ के 18 सितंबर 2024 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षक ही समृद्ध भारत, श्रेष्ठ नागरिक, श्रेष्ठ भारत का निर्माण करता है : देवनानी

शिक्षा मंत्री ने स्थानांतरण, पदोन्नतियां, वेतन विसंगतियां सहित कहीं मुद्दों पर सकारात्मक रूख अपनाते हुए बोर्ड परीक्षा के बाद स्थानांतरण की बात कही

मंडफिया, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन का उद्घाटन समारोह मंडफिया स्थित मीरां रंगमंच पर आमंत्रित अतिथियों एवं हजारों शिक्षकों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। सम्मेलन के संयोजक कैलाश चंद सुथार एवं जिला अध्यक्ष पूरणमल लोहार ने बताया कि उद्घाटन समारोह के अतिथि वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष एवं मदन दिलावर शिक्षा मंत्री रहे।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि वर्तमान शिक्षा में संस्कारों का समावेश होना चाहिए जिस देश का नागरिक संस्कारित होता है वह देश सकारात्मक मार्ग पर सदैव प्रगति करता रहता है। भारत देश विश्व का गुरु है। सभी को दिशा देकर दशा बदल देता है साथ ही उन्होंने कहा कि छात्र हित को ध्यान में रखते हुए हम अध्यापन को महत्व दें। शिक्षा मंत्री ने स्थानांतरण, पदोन्नतियां, वेतन विसंगतियां सहित कहीं मुद्दों पर सकारात्मक रूख अपनाते हुए बोर्ड परीक्षा के बाद स्थानांतरण की बात कही। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब मैं कभी आप शिक्षकों के अधिवेशन में आता हूं तो मुझे लगता है कि मैं अपने परिवार में आ गया हूं अपनेपन की अनुभूति के साथ ही शैक्षिक परिवार की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए हम अन्य कर्मचारियों की तरह नहीं है, शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक सम्मेलन को शिक्षा मंत्री दिलावर ने संबोधित किया।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की अहम भूमिका होती है। शिक्षक ही समृद्ध भारत, श्रेष्ठ नागरिक, श्रेष्ठ भारत का निर्माण करता है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय के शिक्षकों ने अपना उद्घोष देशहित पहले समाज हित बाद में है। शिक्षक समाज की परि संकल्पना होनी चाहिए।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजस्थान के निंबाराम, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महेंद्र कुमार कपूर, संगठन मंत्री राजस्थान अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के घनश्याम रहे। उद्घाटन समारोह में कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर,

> ■ मंडफिया में राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन का उदघाटन समारोह आयोजित

चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्यां, जिला कलेक्टर आलोक रंजन सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन सहसंयोजक रमेश चंद्र पुरोहित एवं तेजपाल सिंह शक्तावत ने बताया कि मंचासीन अतिथियों का प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी द्वारा मेवाड़ी परंपरा से स्वागत किया गया। महामंत्री प्रतिवेदन का वाचन प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा ने किया। जिला संगठन मंत्री डॉ. हीरालाल लोहार ने बताया कि सम्मेलन में राजस्थान के में कोने-कोने से हजारों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता निंबाराम ने अपने वक्तव्य में पंच परिवर्तन को लेकर विषय रखा पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज में परिवर्तन होना चाहिए जिसमें सामाजिक सद्भाव सामाजिक समरसता पर्यावरण स्वदेशी कुटुंब प्रबोधन सहित बिंदुओं को विविध उदाहरणों से रेखांकित किया।

प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में शिक्षकों की लंबित समस्याओं का प्रतिवेदन रखते हुए स्थानांतरण पदोन्नितयां वेतन विसंगतिया दूर करने तथा संगठन को मान्यता देने, शिक्षकों को गैर शैक्षिणक कार्यों से मुक्ति दिलाने सहित कहीं ज्वलंत मुद्दे सदन के सम्मुख रखें तथा सभी का आभार प्रकट किया। उद्घाटन समारोह से पूर्व श्रद्धेय जयदेव पाठक व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। जिसके मुख्य वक्ता राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महेंद्र कुमार कपूर रहे। अध्यक्षता शिक्षक संघ राष्ट्रीय के संरक्षक उमराव सिंह ने की।

मंच पर कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर मौजूद रहे। समारोह में प्रदेश कार्यकारिणी के संपत सिंह, अरुणा शर्मा, अभयसिंह राठौड़, रवि आचार्य, बजरंगलाल मजेजी, प्रहलाद कुमार शर्मा, देवलाल गोचर, सुंदरलाल जैन, डॉक्टर ऋषिन चौबीसा, अशोक कुमार, रमेशचन्द्र पुरोहित, मदनलाल जोशी, जिला अध्यक्ष पूरणमल लोहार, डॉक्टर हीरालाल लुहार, तेजपालसिंह शक्तावत, तेजकरण शर्मा, सुनील भारद्वाज सहित शिक्षक संघ राष्ट्रीय के स्थाई समिति सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी पदाधिकारी, राजस्थान के समस्त जिला अध्यक्ष जिला मंत्री तथा समस्त उपशाखाओं के अध्यक्ष मंत्री मौजूद रहे। राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन हुआ।

जैसलमेर में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन अलर्ट

प्रशासन बीमारी के प्रोटोकॉल के बीच पक्षियों के शव को दफन कर रहा है

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर मे एवियन फ्लू (बर्ड फ्लू) की पुष्टि के बाद प्रशासन अलर्ट है। अब इस बीमारी के पशुओं और इंसानों में फैलने से रोकने के लिए प्रशासन बीमारी के प्रोटोकॉल के बीच पक्षियों के शव को दफन कर रहा है। प्रशासन अलर्ट हो गया है। सभी आम नागरिकों से भी अपील की है कि अगर किसी को मृत पक्षी का शव मिलता है तो उसे हाथ नहीं लगाएं। इस बीमारी से गुरुवार को एक और कुरजा (डेमोइसेल क्रेन) ने दम तोड़ दिया। अब तक 14 पक्षियों की मौत हो चुकी है। जैसलमेर से 55 किलोमीटर दूर देवीकोट कस्बे के देगराय ओरण इलाके के लूनेरी और लखमना तालाब के पास जहां मृत कुरजा पक्षी मिले हैं, उस इलाके को प्रशासन ने संक्रमित हॉटस्पॉट घोषित कर प्रतिबंधित कर

> ■ देवीकोट कस्बे के देगराय ओरण इलाके के लूनेरी और लखमना तालाब के पास जहां मृत कुरजा पक्षी मिले हैं, उस इलाके को प्रशासन ने संक्रमित हॉटस्पॉट घोषित किया

दिया है ताकि कोई भी पशु और इंसान उस तरफ ना जाए और इस बीमारी की चपेट में ना आ जाए। इस इलाके में कुरजा ने डेरा डाला हुआ है।

पशुपालन विभाग के डॉ. उमेश ने बताया कि ये बीमारी सर्दी में ही पक्षियों में फैलती है। ज्यादा ठंड में पक्षियों की सांस नली व फेफड़ों में इन्फेक्शन होता है। जिसको बर्ड फ्लू (इन्फ्लुएंजा) कहा जाता है। ऐसे में निमोनिया या कोरोना के जैसे ही लक्षण होते हैं। इलाज नहीं मिलने पर पक्षी की मौत हो जाती है। ये एक संक्रमण है जो एक से दूसरे में जल्दी से फैलता है। पशुओं आदि में भी ये संक्रमण फैल सकता है जिससे उसकी जान जा सकती है। ऐसे में बचाव करना ही इलाज है। और अगर किसी को हो जाए तो उसको प्रॉपर इलाज करवा कर मुक्त किया जा सकता है। पशु पालन विभाग सयुक्त निदेशक डा. उमेश वारगंटीवार ने बताया कि इंसानों में भी ये बीमारी फैल सकती है। हालांकि अभी तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है, मगर फिर भी इसको लेकर बचाव करना बेहद जरूरी है।

लापता महिला का शव नहर में मिला

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा इलाके के छावनी से लापता हुई महिला का शव उम्मेदगंज तालाब में मिला। छावनी इलाके में नहर के किनारे लापता महिला की चप्पल मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने निगम की गोताखोर टीम को मौके पर बुलाया।

नगर निगम की गोताखोर टीम ने

> ■ पुलिस टीम को गोताखोरों की मदद से महिला का शव करीब छह घंटे की तलाशी के बाद उम्मेदगंज तालाब के पास मिला

महिला का सर्च अभियान शुरू किया। नगर निगम गोताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि कंट्रोल रूम से महिला के नहर में कूदने की सूचना मिली थी। देर रात तीन बजे करीब महिला के घर से लापता हुई थी। जिसकी चप्पल नहर के किनारे पड़ी हुई मिली थी। विष्णु श्रृंगी ने बताया कि सुबह 9 बजे से महिला की तलाश के लिए सर्च अभियान किया और करीब छह घंटे की तलाशी के बाद महिला का शव उम्मेदगंज तालाब के पास मिला।

शव मिलने पर उद्योग नगर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं उद्योगनगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि छावनी से लापता महिला जाहिदा का शव उम्मेदगंज तालाब के पास मिला है। शव को एमबीएस अस्पताल के मोर्चरी में रखवा दिया गया हैं। मृतक के शव का शनिवार को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

पांच सरकारी इंजीनियर्स को बदमाशों ने पीटा, गाड़ी में आग लगाई

हमले में गंभीर घायलों ने बड़ी मुश्किल से खेतों में भागकर जान बचाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट के 5 इंजीनियर्स के साथ बदमाशों ने पहले जमकर मारपीट की और फिर गाड़ी को आग लगा दी। हमले में गंभीर घायलों ने बड़ी मुश्किल से खेतों में भागकर अपनी जान बचाई।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने इंजीनियर्स को लूटने का भी प्रयास किया था। घटना देर रात 11.30 बजे सूरतगढ़ के राइयांवाली कस्बे की है। राजियासर पुलिस ने एक नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थर्मल पावर प्लांट एक्सईएन घनश्याम अग्रवाल ने बताया कि जेईएन नरेंद्र सिंह देवड़ा, एईएन प्रवीण जाखड़, जेईएन विशाल द्विवेदी व एलएमओ अमित चौधरी

> ■ थार सवार बदमाशों ने बोलेरो को घेरकर हमला किया, इंजीनियर डिनर कर लौट रहे थे

पीपेरण के पास 15 जनवरी को एक रिसोर्ट में डिनर करने के लिए गये थे। वापस थर्मल कॉलोनी लौटने दौरान वे राइयांवाली बाइपास के पास टॉयलेट करने के लिए रुके थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार थार गाड़ी आई और बोलेरो के पास रुकी। थार में सवार एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि कौन हो और यहां कैसे खड़े हो। तब उन्होंने कहा कि वे थर्मल पावर प्लांट में इंजीनियर हैं और कॉलोनी वापस जा रहे हैं। जिसके बाद सभी बदमाश गाड़ी से नीचे उतरे और लाठी, डंडों से उन पर हमला कर दिया, जिससे घनश्याम अग्रवाल और नरेंद्रसिंह देवड़ा घायल हो गए। पीडितों ने पुलिस को बताया कि हमले के दौरान वो अंधेरे में खेतों में भाग गए। बदमाशों ने भी उनका पीछा किया, लेकिन वे बच गए। उसके बाद उन्होंने अपने सीनियर्स और पुलिस को हमले की जानकारी दी। इसके बाद आरोपियों की गाड़ी का भी नंबर नोट किया। इसी के आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान की है। हालांकि, इस मामले में अब तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सीआई सतीश यादव ने बताया कि वारदात के बाद बदमाशों ने बोलेरो गाड़ी में आग लगा दी। हमले में घायल एक्सईएन घनश्याम और जेईएन नरेंद्र सिंह के सिर पर चोट लगी है। उन्हें थर्मल की आवासीय कॉलोनी स्थित डिस्पेंसरी में भर्ती कराया गया था, जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को छुट्टी मिल गई। पुलिस ने भैरों सिंह नामक व्यक्ति सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी भैरोंसिंह थर्मल पावर प्लांट में ही ट्रांसपोर्टेशन का ठेका लेता था। मगर पिछले करीब एक डेढ़ साल से थर्मल प्रशासन ने उसे लापरवाही और अन्य कारणों से ब्लैक लिस्ट कर रखा था। आशंका है कि इसी गुस्से में उसने इंजीनियर्स पर हमला किया है।

अवैध हथियार सहित दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर पुलिस टीम ने गश्त के दौरान थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों पर कार्यवाही करते हुए अवैध हथियार व जिंदा कारतूस सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उद्योगनगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि थाने के सहायक उपनिरीक्षक हरवीर सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान चैकिंग कर रहे थे। उसी दौरान मल्टीमेटल के समीप एक व्यक्ति पर संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 315 बोर (8 एमएम) अवैध जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने कंसुआ निवासी शाहरूख हुसैन (31) को गिरफ्तार किया। वहीं थाने के सहायक उपनिरीक्षक सूरजमल मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान न्यू मोटर मार्केट के समीप एक व्यक्ति पर संदेह होने पर उसकी तलाशी तो उसके पास से अवैध हथियार कटार बरामद हुई। पुलिस ने बॉम्बे योजना लोहार बस्ती निवासी अजय (19) को गिरफ्तार कर लिया।

नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में धरना जारी

नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर हड़ताल जारी रही।

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर 18 वें दिन शुक्रवार को भी हड़ताल जारी रही, जिसमें भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को विधायक सुरेश मोदी ने राजू सरपंच पापड़ा, पूर्व सरपंच राजपाल बड़सरा, रामप्रसाद यादव, लालचन्द खरिटा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष सेडूराम मीणा को माला पहनाकर धरने पर बैठाया।

चर्चा है कि नीमकाथाना को जिला बनाने से यहां के आर्थिक और सामाजिक विकास में काफी सुधार था और अब इसे हटाने से यहां के नागरिकों की खुशहाली पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि कई अन्य जिलों की तुलना में नीमकाथाना क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यों की गति बढ़ी थी, जिससे लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से मिल रही थी। नीमकाथाना जिले के पुनर्गठन के लिए यह जनसभा एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकती है, क्योंकि इससे स्थानीय जनता की एकजुटता और संघर्ष का पता चलता है। अब यह देखना बाकी है कि सरकार इस विरोध को किस तरह से देखती है और इस पर क्या निर्णय लेती है।

विभिन्न राजनीतिक दलो और समाज के प्रमुख व्यक्तियों ने भी अपनी आवाज उठाई और नीमकाथाना जिले को फिर से बहाल करने के लिए संयुक्त संघर्ष का संकल्प लिया। जनसभा में यह संदेश साफ था कि यह मुदा सिर्फ

> ■ विधायक सुरेश मोदी ने लोगों को माला पहनाकर धरने पर बैठाया

राजनीतिक नहीं, बल्कि जनता का अधिकार और उनका भविष्य है। धरने पर बैठे लोगों में जोश देखा गया और उनकी एकजुटता में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन धीरे-धीरे इस आंदोलन से जुड़ रहे हैं, जिससे इसका प्रभाव और भी व्यापक हो रहा है। यह समर्थन आंदोलन को मजबूती प्रदान कर रहा है और आगे भी इससे जुड़े लोग इस संघर्ष को निरंतर जारी रखने का संकल्प ले रहे हैं। कई प्रमुख नेता भी इस आंदोलन के समर्थन मे सामने आए हैं, जिससे आंदोलन को और अधिक मजबूती मिल रही है। लोग अब इस संघर्ष को सिर्फ एक पेशेवर मुद्दा नहीं, बल्कि एक जनांदोलन के रूप में देख रहे हैं। हड़ताल को सुभाष सिंघल, भोपाल सैनी, जयराम महारानियां, महावीर प्रसाद, प्रहलाद महराणियां, राजेन्द्र यादव, अजय सैनी, राजेन्द्र आर्य कैरवाली, कृष्ण यादव मांकड़ी, रामसिंह गुरूजी राजनगर, उमेश मुंडोतिया, सुरेश खैरवा सरपंच, रामनिवास बंधा की ढाणी, विजेन्द्र रोजड़िया, पूर्व सरपंच भोपाल सैनी धांधेला ने समर्थन दिया।

बीएसएफ ने हथियारों का जखीरा बरामद किया

हथियारों की बरामदगी से खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई

बाडमेर, (निसं)। एक महत्वपूर्ण अभियान में शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बाडमेर जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर हथियारों की तस्करी के प्रयास को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

बीएसएफ गुजरात के जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक विशिष्ट खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ ने एक विशेष अभियान चलाया और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास चार 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल, आठ मैगजीन और 78 जिंदा राउंड

> ■ बीएसएफ ने एक विशेष अभियान चलाकर अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास चार 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल, आठ मैगजीन व 78 जिंदा राउंड बरामद किए

बरामद किए। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ ने बीजराड थाना हल्के में बीकेडी पोस्ट के पास सर्च ऑपरेशन चलाकर रेत के टीलों के नीचे गडे हुए उक्त हथियारो को बरामद किया है। माना जा रहा है कि यह हथियार सीमा पार से लाए गए है। सूचना मिलने के बाद बीएसएफ और पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और मामले की छानबीन की जा रही है। साथ ही पूरे इलाके में सर्च किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस से पहले सीमा के पास इस हथियारों की बरामदगी से खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई।

35 लाख की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तीन लाख रूपये बरामद किये, 8.67 लाख होल्ड कराये

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर पुलिस टीम ने 35 लाख रूपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को ट्रेसआउट कर मध्यप्रदेश के सहडोल से गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि फरियादी ने दो जनवरी को जवाहर नगर थाने में रोहित पाण्डे व शीतल गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी कर पिता की मौत व अन्य कई बहना लगाकर 35 लाख रूपये हड़पने का मामला दर्ज करवाया था। शहर एसपी ने बताया कि 35 लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आने पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन पुलिस उपअधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया। गठित टीम ने तकनीकी व साइबर सेल टीम की सहायता से कार्यवाही करते हुए धोखाधड़ी के आरोपी बसन्त बिहार सोसायटी गढ़खोल आम्बोली थाना भरूच जिला भरूच गुजरात हाल मध्यप्रदेश के कच्ची बस्ती साहडोल निवासी रोहित पांडे को साहडोल से गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से तीन लाख

धोखाधड़ी के आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया।

रूपये बरामद किये। आरोपी की गिरफ्तारी मे विशेष भूमिका थाने के कॉन्स्टेबल धर्मेन्द्र की रही।

ट्रेस होने से बचने के कई बार बदली लोकेशन :-शहर एसपी अमृता दुहन ने बताया कि आरोपी इतना शातिर है कि पुलिस आसानी से ट्रेस आउट नहीं कर सके आरोपी अपनी उपस्थिति गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश में घूमता रहा। आरोपी अपना मोबाइल भी निवासी स्थान से तीन किलोमीटर दूरी पर छिपाकर रखता था ताकि पुलिस टीम उसको आसानी से ट्रेस नही कर सके। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी रोहित पांडे ने अपने खाते से नकद निकलवा लिये तथा कुछ मिलने वालों के खाते में डलवा दिये। पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी के बैंक खाते में 8.67 लाख रुपये होल्ड कराते हुए लगातार आरोपी का पीछा कर आरोपी को सहडोल से डिटेन कर लिया।

शहर एसपी ने बताया कि आरोपियों ने परिवादी के मोबाइल पर

> ■ आरोपी इतना शातिर है कि अपना मोबाइल भी निवासी स्थान से तीन किलोमीटर दूरी पर छिपाकर रखता था

फेसबुक, व्हाट्सएप, व सोशल मीडिया से सर्म्पक कर पिता की मौत, बच्चे की बीमारी व अन्य अलग-अलग बहाने लगाकर परिवादी से रूपये डलवाये तथा परिवादी को जमीन बिक जाने पर रूपये लौटाने का लालच देकर 15 हजार की मदद और मांगते हुए 6 माह में ही 35 लाख रूपये परिवादी से अपने बैंक खाते में डलवा लिये और परिवादी के मांगने पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी और 35 लाख रूपये हड़प लिये। मामले मे पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए धोखाधड़ी के आरोपी रोहित पांडे को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से शेष बची हुई राशि के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण ने बताया कि मामले में एक और आरोपी शीतल गुप्ता की तलाश जारी है। वहीं पकड़े गये आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ जारी है।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2024-25/26106-16 | **ई-निविदा सूचना संख्या 440/2024-25** | Date:16.01.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)
Rate Contract for Road repair on various BOT Roads of RSRDC Ltd. Jaipur. UBN: RRC2425WSOB00840	500.00 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://roads.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लि.
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.) फोन नम्बर: (0294)2427177/2428763-67, फेक्स: (0294)2428768,2428739 Email:- contractsco.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना | दिनांक .17.01.2024

ई-निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
e- Tender no. RSMM/CO/GGM (Cont) Cont-20/2024-25 dated 16.01.2025 UBN No. MML2425WSOB00182	संस्थान की झामरकोटडा स्थित आईबीपी प्लांट पर ऑफिस के मरम्मत एवं रख-रखाव संबंधित कार्य हेतु। (निविदानुसार) अनुमानित लागत रु. 20.00 लाख, धरोहर राशि रु. 40000/-, निविदा शुल्क 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com /www.sppp.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा वरिष्ठ प्रबंधक (अनुबंध) से उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/24/10472 | उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग अजमेर (राज.) फोन न. 0145-2429953,2433813
Email- ajmermc@gmail.com

क्रमांक F.10/50/M/LIGHT/AMC/2024-25/316 | दिनांक : 15.01.2025

अल्पकालीन ई-निविदा-सूचना

नगर निगम अजमेर द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के निविदादाताओं से संबंधित निम्न निविदा आमंत्रित की जाती है कार्यों की अनुमानित लागत टेंडर भरे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख एव टेंडर शर्तें आदि संपूर्ण www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकते हैं
NIB CODE :-ANN2425A0178
UBN CODE :-ANN2425WSOB00283
राज.संवाद/सी/24/10457 | उपायुक्त, नगर निगम अजमेर

जोधपुर नगर निगम, (दक्षिण)
पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर
E-Mail- ceo_nnj@rediffmail.com,nnjelectrical@gmail.comTel: 0291-2651464

क्रमाकः- सं./एफ-15/कार्य/2024/RL-14340 | दिनांकः- 09.01.2025

ई- निविदा सूचना क्रमांक RL-14334 दिनाक 09.01.2025
UBN NO. DLB2425WSOB14742

जोधपुर नगर निगम दक्षिण द्वारा इच्छुक कार्यो के अनुभवी/योग्यताधारी, डिजिटल विधुत लाईसेन्सधारी संवेदको, नगर निगम में पंजीकृत नियमानुसार E-EWSD श्रेणी संवेदको, अन्य विभाग में पंजीकृत E-EWSD-I ऑन-लाईन "ई" टेण्डर प्रकिया से निगम शर्तो के अधीन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के कार्यो, योग्यता, शर्तो की समस्त जानकारी वेबसाईट पर www.eproc.raj.in अथवा www.sppp.raj.nic.in अथवा https://lsg.rajasthan.gov.in/MCJS पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/10479 | नगर निगम, (दक्षिण) जोधपुर

RAJASTHAN SAMWAD
Department of Information and Public Relations
Government Secretariat, Jaipur-302 005
(Telephone & Fax No. 0141-2227057
Email id: eproc.dipr@gmail.com; dipr.rajasthan@gmail.com)

NIB No. 11 | Date: 17.01.2025

NOTICE INVITING BIDS

Bids for RATE CONTRACT OF AGENCIES/FIRMS for Providing Outdoor Media Service for Udaipur Region (Udaipur, Banswara, Chittorgarh, Dungarpur, Pratapgarh, Rajsamand and Salumbar Districts Area) are invited from interested bidders up to 06:00 PM **06/02/2025**
Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in. http://sppp.raj.nic.in) of the state; and https://dipr.rajasthan.gov.in/. The approximate value of the procurement is Rs. 05 Crore.
UBN No. IPR2425SLRC00036
Raj.Samwad/C/24/10493 | Managing Director

कार्यालय नगरपरिषद राजसमन्द
जिला परिषद रोड़, राजनगर राजसमन्द पिन 313324
Email :- rajsamandnagarpalika@gmail.com | Telephone No. 02952-220034

क्रमांकः एफ (10)नपरा/विकास /NIT/10/2024/6871 | दिनांक : 15.01.2025

निविदा सूचना संख्या 10/2024-25

नगरपरिषद राजसमन्द द्वारा 05 कार्य की अनुमानित लागत 24.99 लाख रूपये हेतु संबंधित संवेदक/संस्था/संगठन से दिनांक 22.01.2025 को 3.00 बजे तक मुहरबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 22.01.2025 दोपहर 1.00 बजे तक विक्रय की जावेगी। प्राप्त निविदाऐं आमंत्रित तिथि को सायं 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। सशर्त दरें मान्य नही होगी। निविदा सम्बन्धित विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
UBN No. DLB2425WSOB15095, DLB2425WSOB15096, 97, 99 & 100
सभापति | आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/10448 | नगरपरिषद राजसमन्द | नगरपरिषद राजसमन्द

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफैक्स : 0141 – 2201489, इमेल: zcejz@jvvnl.org

ई- निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिजियक), जिला दौसा में 33/11 केवी लोटवाड़ा जीएसएस का निर्माण और 33 केवी और 11 केवी इंटरकनेक्शन का निर्माण का कार्य सहायक अभियंता (प.व.स.), जेपीडी, बैजूपाड़ा, जयपुर डिस्कॉम के दौसा सर्कल के अधिकार क्षेत्र में टीएन – 93 के तहत एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई – प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 21.01.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई- पोर्टल पर दिनांक 31.01.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
UBN: VVN2425WSOB01038
जेपीआर-2941 (2025) | संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
राज.संवाद/सी/24/10454 | बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2024-25/1173 | दिनांक 16.01.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 90/2024-25

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 36.22 लाख
UBN Number :- DLB2425WSOB15165
आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/10450 | नगर निगम, बीकानेर

उदयपुर में तीन दिवसीय बर्ड फेस्टिवल का आगाज, पक्षीप्रेमी उमड़े

पक्षी एवं पर्यावरण संरक्षण भारतीय लोक जीवन का अहम् हिस्सा : सांसद डॉ. रावत

उदयपुर, (कासं)। वन विभाग के तत्वावधान में उदयपुर बर्ड फेस्टिवल के 11वें संस्करण का शुभारंभ शुक्रवार को सिसारमा रोड़ स्थित कालका माता नर्सरी परिसर के गोल्डन पार्क में उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. मन्नालाल रावत के मुख्य आतिथ्य में हुआ। तीन दिवसीय बर्ड फेस्टिवल के पहले दिन बर्ड वॉचिंग, स्कूली बच्चों के लिए पेंटिंग व क्विज स्पर्धाएं हुई। वहीं सूचना केन्द्र परिसर में पक्षी आधारित फोटो एवं डाक टिकट प्रदर्शनी का भी शुभारंभ हुआ। अपराह्न पश्चात ओटीएस परिसर में नेचर लिट्रेरी फेस्टिवल और कांफ्रेस में देश भर से आए ख्यातनाम पक्षी एवं पर्यावरण विशेषज्ञों ने भाग लिया।

बर्ड फेस्टिवल समारोह को सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने संबोधित किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने कहा कि भारत में पक्षी और पर्यावरण संरक्षण लोक जीवन का हिस्सा रहा है। आज भी गांव-देहातों में बड़े-बुजुर्गों द्वारा कटे हुए नाखूनों को इधर-उधर न फेंकने का सुझाव देते हुए कहा जाता है कि कटे हुए नाखून यदि खुले में फेंके तो चिड़िया इसे चावल समझ कर खा जाएगी और इससे उसकी मौत भी हो सकती है। भारतीय जीवन शैली में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं। उन्होंने बर्ड फेस्टिवल जैसे आयोजनों को युवा पीढ़ी के लिए काफी महत्वपूर्ण बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने पक्षी और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकाशित किए जाने वाले जनजागरूकता साहित्य को हिंदी-अंग्रेजी के साथ मेवाड़ी में भी प्रकाशित करने का आग्रह किया।

शहर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि बर्ड फेस्टिवल जैसे आयोजनों से आमजन में जागरूकता बढ़ी है। लोग पक्षी और पर्यावरण संरक्षण के लिए सतर्क हुए हैं। विधायक जैन ने उदयपुर बर्ड फेस्टिवल 2025 को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रेषित शुभकामना संदेश का भी वाचन किया।

समारोह को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सीईओ रविसिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन दीपेन्द्र सिंह, ख्यातनाम पक्षीविद् और बोम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के पूर्व निदेशक असद आर रहमानी, बीएनएचएस के रजत भार्गव, आंनदों बनर्जी, सेवानिवृत्त आईएएस विक्रमसिंह, सेवानिवृत्त वन अधिकारी आरकेसिंह, आईपीएस मथारू, राजपालसिंह, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण सदस्य राहुल भटनागर भी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे। प्रारंभ में मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एस आर वी मूर्थी, मुख्य वन संरक्षक सुनील छिद्री, उप वन संरक्षक (वन्यजीव) डी के तिवारी, उप वन संरक्षक मुकेश सैनी, उप वन संरक्षक उत्तर अजय चित्तौड़ा सहित अन्य ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बर्ड फेस्टिवल की स्मारिका तथा पक्षियों की जानकारी पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया गया।

- बर्ड फेस्टिवल के पहले दिन बर्ड वॉचिंग, स्कूली बच्चों के लिए पेंटिंग व क्विज स्पर्धाएं हुई

मुख्य अतिथि सांसद डॉ रावत ने गत दिनों घायल अवस्था में मिले और उपचार के बाद स्वस्थ हुए तोतों को आजाद कर बर्ड फेस्टिवल का श्रीगणेश किया। बर्ड फेस्टिवल के तहत पिछोला झील के पार्श्व भाग में बर्ड वॉचिंग की भी व्यवस्था की गई। उद्घाटन समारोह के बाद सीनियर और जूनियर ग्रुप में पेंटिंग व क्वीज स्पर्धा भी हुई। इसमें शहर सहित आसपास के विद्यालयों से पहुंचे बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। बच्चों ने कूची और रंग से पक्षियों के सुंदर संसार को ड्राईंग शीट पर उकेरा। वहीं क्वीज स्पर्धा में पक्षी और पर्यावरण से जुड़े प्रश्नों के उत्तर भी दिए। दोपहर में सूचना केन्द्र में पक्षियों से संबंधित फोटोग्राफी एवं स्टाम्प प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। सेवानिवृत मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर, डब्लूडब्लूएफ सीईओ रवि सिंह, पक्षी विशेषज्ञ असद रहमानी, व विक्रम सिंह ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

पॉक्सो के दो मामलों में 20-20 साल का कठोर कारावास

झुंझुनूं, (निसं)। पॉक्सो के दो मामलों में कोर्ट ने आरोपियों को 20-20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इनमें से एक आरोपी नाबालिगा को कोटा ले गया, जहां पर उसे एक जगह पर रखकर उसके साथ दुष्कर्म किया तो दूसरा नाबालिगा को मुंबई ले गया। जहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया।

- एक ने कोटा ले जाकर, तो दूसरे ने मुंबई ले जाकर दुष्कर्म किया था

जानकारी के मुताबिक सिंघाना थाने में 7 नवंबर 2022 को 16 वर्षीया पीड़िता की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया था कि वह छह नवंबर 2022 को अकेली सिंघाना बाईपास चौराहे पर सब्जी लेने गई थी। जहां पर आरोपी आकाश मीणा उसे बहला फुलाकर पहले निजामपुर ले गया, जहां से खेतड़ी ले गया। इसके बाद अपनी मामी के घर ले गया। जिसके बाद कोटा ले गया। कोटा में 14-15 दिन तक उसे बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान नाबालिग के साथ आकाशी मीणा ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद 21 नवंबर 2022 को आरोपी पीड़िता को लेकर सिंघाना पहुंचा। जिसके बाद पीड़िता ने सारी आप बीती बताई।

पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपी आकाश मीणा को गिरफ्तार किया। वहीं चार्जशीट पोक्सो कोर्ट में पेश की। कोर्ट में 16 गवाहों के बयान करवाए गए। वहीं 39 दस्तावेजों के जरिए साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने पोक्सो एक्ट की धाराओं में आरोपी आकाश मीणा को दोषी मानते हुए 20 साल का कठोर कारावास तथा 50 हजार रूपए का जुर्माना लगाया। इसके अलावा अन्य धाराओं में दोषी मानते हुए कारावास की सजा तथा कुल 50 हजार रूपए का और जुर्माना लगाया गया है। आरोनी पर कुल 1 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया है। राज्य सरकार की तरफ से विशिष्ट लोक अभियोजक वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट सुरेंद्र सिंह भांबू ने पैरवी की।

दूसरे मामले में भी कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा और कुल एक लाख 10 हजार रूपए के जुर्माने से दंडित किया है। मामले के अनुसार 10 अक्टूबर 2021 को पिलानी थाने में 15 साल दो महीने की उम्र की पीड़ित नाबालिगा की तरफ से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी कि वह 10 अक्टूबर 2021 को घर के बाहर झाड़ू निकाल रही थी। तभी आरोपी सोनू वाल्मिकी पुत्र कृष्ण वाल्मिकी आया। आरोपी पीड़िता को डरा धमकाकर जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर एक मकान पर ले गया। जहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया। यहां से आरोपी पीड़िता को मुंबई ले गया। जहां पर आरोपी ने अपने जीजा के मकान पर दो-तीन दिन रखा और पीड़िता के साथ दुष्कर्म करता रहा। यहीं पर आरोपी ने पीड़िता की अश्लील वीडियो क्लिप बना ली। जबरदस्ती शादी भी कर ली।

शादी के बाद आरोपी सोनू वाल्मिकी पीड़िता के साथ मारपीट करता और अन्य लोगों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए धमकाता था। जिसके बाद पीड़िता मौका पाकर आरोपी के चंगुल से भागकर मुंबई में एक पुलिस थाने पहुंची, जहां से उसने अपने पिता को फोन कर सारी आप बीती बताई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी सोनू वाल्मिकी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पोक्सो कोर्ट में चार्जशीट प्रस्तुत की।

दौरान ट्रायल 17 गवाहों के बयान करवाए गए। वहीं 29 दस्तावेजों के जरिए साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी सोनू वाल्मिकी को पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में दोषी माना है। सोनू वाल्मिकी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा और कुल एक लाख 10 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

महंत त्रिवेणी गिरी पंचतत्व में विलीन

जोधपुर, (कासं)। जूना अखाड़ा के महंत त्रिवेणी गिरी महाराज पंचतत्व में विलीन हो गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए संत एवं भक्तगणों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। सैनाचाय अचलानंद गिरी महाराज ने बताया कि अंतिम यात्रा से पूर्व त्रिवेणी घाट पर त्रिवेणी महाराज को स्नान कराकर विधि विधान के साथ संस्कार कर जूना अखाड़ा में लाकर पूजा कर अंतिम विदाई दी गई। उन्होंने बताया कि त्रिवेणी गिरी महाराज जोधपुर दादा दरबार सिद्धनाथ के थानापति महंत गिरी महाराज के शिष्य थे। उन्होंने अपने गुरु महाराज की बहुत सेवा की और आज संगम तट पर त्रिवेणी गिरी महाराज को समाधि दी गई। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के महंत हरि गिरी महाराज, नारायण गिरी महाराज, सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज, प्रेम गिरि महाराज, महंत मुनेश्वर गिरी महाराज, कंचन गिरि महाराज आदि सैकड़ों संतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कॉल सेंटर पर दबिश

जोधपुर, (कासं)। पुलिस ने कुड़ी भगतासनी एरिया सेक्टर 9 में एक और कॉल सेंटर पर दबिश देकर दस युवतियां, महिलाएं एवं दो युवकों को पकड़ा है। आरोप है कि कार सर्विस प्रोवाइड कराने के नाम पर यहां कस्टमरों से धोखाधड़ी की जाती थी। कुड़ी भगतासनी में सेक्टर 2 में दो साल पहले भी बड़े स्तर पर कॉल सेंटर्स का खुलासा किया था। इससे पहले 11 जनवरी को पुलिस ने मधुबन हाउसिंग बोर्ड डीडीपी नगर में एक कॉल सेंटर पर रेड देकर महिला को पकड़ा था।

हार्डकोर अपराधी सहित दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने गबन, धोखाधड़ी व हनीट्रेप के पुराने मामले में कार्यवाही करते हुए हार्डकोर अपराधी सहित दो जनो को गिरफ्तार किया है।

रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थाने में अक्टूबर 2024 मे दर्ज गबन धोखाधड़ी व हनीट्रेप के पुराने मामले में कार्यवाही करते हुए हार्डकोर आरोपी असलम शेर खान उर्फ चिंटू और दानिश को प्रोडक्शन वॉरंट पर गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया की रेलवे कॉलोनी थाने में दर्ज गबन और धोखाधडी के मामले में जांच की बाद दोषी पाये जाने पर जेल में प्रार्थना पत्र देकर आरोपी को प्रोडक्शन वॉरंट पर लिया गया है। आरोपियों को पेश कर पुलिस रिमांड अवधि पर लिया गया है। पकड़े गये आरोपी असलम शेर खान उर्फ चिंटू पर दो दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज है।

रीट के आवेदन में संशोधन का अंतिम मौका 19 तक

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा रीट 2024 परीक्षा के लिए अंतिम तिथि तक 14 लाख 27 हजार 248 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें लेवल-1 के लिए 3 लाख 46 हजार 9, लेवल-2 के लिए 9 लाख 66 हजार 738 और दोनों लेवल के लिए 1 लाख 14 हजार 501 आवेदन प्राप्त हुए हैं। बोर्ड ने आवेदन पत्र में त्रुटियों को सुधारने के लिए संशोधन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू कर दी है, जिसकी अंतिम 19 जनवरी रात 12 बजे तक जारी रहेगी।

परीक्षा का आयोजन 27 फरवरी को किया जाना प्रस्तावित है। बोर्ड सचिव एवं परीक्षा समन्वयक कैलाश चन्द शर्मा ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने 15 जनवरी तक चालान जनरेट कर परीक्षा शुल्क जमा करा दिया, लेकिन आवेदन पत्र सबमिट नहीं किया या प्रिंट नहीं लिया, उन्हें शुक्रवार से 19 जनवरी तक आवेदन पत्र भरने, सबमिट करने और प्रिंट लेने का अंतिम अवसर दिया प्रदान किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा निरस्त किए गए 9 जिलों में परीक्षा केंद्र की प्राथमिकता भरने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र की प्राथमिकता में निशुल्क संशोधन का मौका दिया गया है। यह 19 जनवरी तक उपलब्ध रहेगी। जिन अभ्यर्थियों ने आवेदन पत्र भरने में कोई त्रुटि की है, वे 200 रुपए का चालान बनाकर संशोधन शुल्क जमा करा सकते हैं।

चालान वेरिफाई होने के बाद अभ्यर्थी संशोधन शुल्क का चालान नंबर, आवेदन पत्र या रजिस्ट्रेशन क्रमांक, माता का नाम, जन्म तिथि आदि भरकर और ओटीपी वेरिफाई कर आवेदन पत्र में सुधार कर सकेंगे। अभ्यर्थी अपने नाम, पिता के नाम, माता के नाम, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर, परीक्षा के लेवल और परीक्षा केंद्र की प्राथमिकता में कोई बदलाव नहीं कर सकते। इसके अलावा अन्य प्रविष्टियों में संशोधन किया जा सकता है।

मंडफिया : राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने मंडफिया स्थित भगवान श्री सांवलिया सेठ के दर्शन किए एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। दर्शन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर का मंदिर परंपरा के अनुसार उपरना ओढ़ाकर भगवान का महाप्रसाद एवं तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान चित्तौड़गढ़ विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या, कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर, जिला कलेक्टर आलोक रंजन, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रभा गौतम, भदेसर उपखंड अधिकारी ऋषि सुधांशु पांडे, सांवलियाजी मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, मंदिर बोर्ड के पूर्व सदस्य भैरूलाल सोनी आदि उपस्थित थे।

बगड़ गांव बेटी को घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली

बगड़, (निसं)। लड़का और लड़की के मध्य के भेदभाव को मिटाने को लेकर अलग-अलग तरीके से संदेश दिए जाते हैं। इसी परिपाटी को लेकर ग्रामीण इलाकों में बेटियों की धूमधाम से बिंदौरी निकाली जा रही है। उन्हें घोड़ी पर बैठाकर गांव में घुमाया जा रहा है। बगड़ गांव के अनिल सैनी ने अपने घर से बहिन मोनिका सैनी की घोड़ी पर बैठाकर के डीजे के साथ बिंदौरी निकाली। मोनिका के पिता इन्द्राज सैनी माता सम्पत देवी के द्वारा बेटी के सिर पर साफा बांधकर गांव की चौपाल से लेकर अपने घर तक बिंदौरी निकाली। संपूर्ण गांव के लोगों ने इस पहल की प्रशंसा की। इस मौके पर पूर्व छात्रा नेत्री मोनिका सैनी, दिनेश इंदौरिया, बेटी के चाचा सज्जन सैनी, फूफा सुखदेव सैनी सीएम हाउस सहित सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीण व मातृशक्ति उपस्थिति रहे। शादी की पूर्व संध्या पर घोड़ी पर बैठा कर गांव में डीजे के साथ धूमधाम से नाचते हुए बिंदौरी निकाली।

बेटी को घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली।

महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे की ओर से प्रयागराज महाकुंभ-2025 के यात्रियों की सुविधा के लिए महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए गए हैं। गाड़ी संख्या 4811/04812, बाड़मेर- बरौनी- बाड़मेर फेरे बढ़ाए जा रहे हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 04811, बाड़मेर-बरौनी स्पेशल ट्रेन बाड़मेर से 24 जनवरी, 7 तथा 14 फरवरी को 17:30 बजे रवाना होकर दूसरे दिन जयपुर स्टेशन पर 3:30 बजे आगमन व 3:40 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 9:00 बजे बरौनी पहुंचेगी। इसी तरह, गाड़ी संख्या 04812, बरौनी-बाड़मेर स्पेशल रेलसेवा बरौनी से 26 जनवरी, 9 व 16 फरवरी को 23:00 बजे रवाना होकर तीसरे दिन जयपुर स्टेशन पर 2:50 बजे आगमन व 3:00 बजे प्रस्थान कर 13:00 बजे बाड़मेर पहुंचेगी।

गाडी संख्या 04811, बाड़मेर-बरौनी स्पेशल रेलसेवा जो 24 जनवरी को बाड़मेर से एवं गाडी संख्या 04812 बरौनी- बाड़मेर स्पेशल रेलसेवा जो 26 जनवरी को बरौनी से संचालित होगी। उस रेलसेवा में 1 थर्ड एसी, 5 द्वितीय श्रेणी शयनयान, 15 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 23 डिब्बे होंगे।

इसी तरह, गाड़ी संख्या 04811, बाड़मेर-बरौनी स्पेशल रेलसेवा जो 7 व 14 फरवरी को बाड़मेर से एवं गाड़ी संख्या 04812 बरौनी-बाड़मेर स्पेशल रेलसेवा जो 9 व 16 फरवरी को बरौनी से संचालित होगी, उसमें 2 सैकण्ड एसी, 5 थर्ड एसी, 11 द्वितीय श्रेणी शयनयान, 4 साधारण श्रेणी और 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 24 डिब्बे होंगे।

झुंझुनूं एकेडमी के तीन शूटरों ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में कीर्तिमान रचा

तीनों शूटरों का विद्यालय प्रांगण में स्वागत-अभिनंदन किया गया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई के विद्यार्थी बेहतरीन बोर्ड परीक्षा परिणामों के साथ-साथ स्पोर्ट्स में भी शानदार प्रदर्शन कर नेशनल एवं इंटरनेशनल लेवल पर मेडल जीत रहे हैं तथा खेलों के हर वर्ग में अनेक चैंपियनशिप जीत कर जिले, स्कूल व माता-पिता का नाम रोशन कर रहे हैं। शुक्रवार को इसी कड़ी में जीवेम् शूटिंग एकेडमी के शूटरों ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में अपना दमखम दिखाते हुए इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल के लिए क्वालीफाइ किया है जो बहुत बड़ी उपलब्धि है।

- शूटर सतीश कुमार, तन्मय चौधरी ने इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल के लिए तथा अनीश कुमार ने नेशनल के लिए क्वालीफाई किया

शूटिंग कोच सुशील कुमार दूलड़ ने बताया कि डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज तुगलकाबाद दिल्ली में चल रही 67वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में झुंझुनूं एकेडमी के शूटर सतीश कुमार व तन्मय चौधरी ने टॉप-10 रैंक प्राप्त कर शानदार अंकों के साथ इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल तथा अनीश कुमार ने भी इसी रैंक के साथ नेशनल के लिए क्वालिफाइ कर कीर्तिमान रचा है। झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी ने तीनों शूटरों को बधाई देते हुए कहा कि नेशनल चैंपियनशिप में टॉप-10 रैंक पाना वास्तव में बहुत बड़ी उपलब्धि है और इंटरनेशनल शूटिंग ट्रायल के लिए क्वालिफाई कर इन शूटरों ने राष्ट्रीय स्तर पर जिले का मान बढ़ाया है। इस अवसर पर तीनों शूटरों का विद्यालय प्रांगण में स्वागत-अभिनंदन किया गया।

दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चौथमाता के दर्शन कर मन्नत मांगी

बून्दी शहर में हर तरफ श्रद्धालुओं की रेलमपेल रही, जगह-जगह भंडारों का आयोजन हुआ

बूंदी (निसं)। श्रद्धा के आगे सुबह की गलन भरी सर्दी बौनी नजर आई। बाणगंगा में पहाड़ी पर स्थित चौथ माता का पांच दिवसीय मेले के दूसरे दिन संकट चतुर्थी के अवसर पर माता के दर्शन और अपनी मनोकामना के लिए बून्दी सहित आसपास के सभी क्षेत्रों से श्रद्धालु माता के दरबार में मत्था टेकने पहुंचे। अलसुबह से ही चौथ माता मंदिर के रास्ते में श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। शहर के हर मार्ग पर पैदल जाने वाले श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए नजर आए। इस दौरान कई श्रद्धालु नंगे पैर भी दिखाई दिए।

बाणगंगा में स्थित चौथ माता मंदिर में श्रद्धालुओं का आना बीती रात से ही शुरू हो गया। अलसुबह से ही शहर से बाणगंगा जाने वाले सभी रास्तों में श्रद्धालुओं के समूह नजर आने लगे थे। दर्शन को आने वाले सभी श्रद्धालु माता के जयकारे लगाकर नाचते गाते हुए मंदिर प्रांगण में पहुँचे। जहाँ आंकड़े के अनुसार दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार और विश्व की सुख समृद्धि की कामना की ढोक लगाई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पत्थरों से कच्चे मकान बनाकर मनौती मांगी। कई श्रद्धालु सर्दी के बावजूद नंगे पैर से अपनी आस्था को लेकर माता के दरबार में पहुंचे। दर्शनों के लिए देर सवेरे से ही श्रद्धालुओं का समूह के रूप में जाना शुरू हो गया था। इस अवसर पर देर रात तक श्रद्धज्ञलुओं की भीड मंदिर की ओर जाती नजर आई। इस अवसर पर चौथ माता मंदिर परिसर में लगे मेले में ग्रामीणों ने जमकर खरीददारी की। वहीं बड़ी मात्रा में प्रसाद व फूलमालाओं की बिक्री हुई। नैंनवां रोड़, माटूंदा रोड़ चौराहा, मीरागेट, रामद्वारा लंकागेट, खोजागेट, चितौड़ रोड़, सिलोर रोड़ सभी जगह श्रद्धालुओं के लिए भंडारें आयोजित किए गए।

बाणगंगा में पहाड़ी पर स्थित चौथ माता के दर्शनों के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

- देर सवेरे से ही श्रद्धालु मंदिर में आने लग गये थे

मेले के सफल आयोजन के लिए पुलिस प्रशासन ने चाक चौबंद व्यवस्था करते हुए शांति व्यवस्था के लिए अति. पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में डिप्टी, एसएचओ, पुलिसकर्मियों सहितआरएसीके जवानों का अमला तैनात कर रखा था, जो अलसुबह तीन बजे से ही व्यवस्थाओं में लगे हुए थे।

शिक्षक सम्मेलन में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले, बकाया पदोन्नति का मुद्दा छाया रहा

बीकानेर,(कासं)। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सैकण्डरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) का राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन शुक्रवार से टाऊन हॉल बीकानेर में संघ के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद की अध्यक्षता में शुरू हुआ।

सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन के पहले दिन तृतीय श्रेणी शिक्षकों सहित सभी संवर्गों के तबादले करने, अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक व वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता बकाया पदोन्नति जल्द करवाने, उप प्राचार्य की सीधी भर्ती, शिक्षक सम्मेलनों में शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य करने, पुरानी पेंशन योजना लागू कर एनपीएस खातों में जमा राशि जीपीएफ खातों में जमा करने, शिक्षकों के सभी कैडरों की विसंगतियां दूर करने, खेमराज कमेटी की सिफारिश को सार्वजनिक करने, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत सभी शिक्षकों को मूल वेतन का 10 प्रतिशत ग्रामीण भत्ता देने की मांग की गई।

स्थाई व पारदर्शी शिक्षक स्थानांतरण नीति जारी कर लागू करने, नव क्रमोन्नत उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वरिष्ठ अध्यापकों व व्याख्याताओं के पद सृजित करने, कंप्यूटर अनुदेशकों का कैडर संशोधन व वेतन विसंगति दूर करने, शिक्षक सम्मान की प्रक्रिया में आवेदन करने वाले सभी शिक्षकों के समस्त दस्तावेजों को ऑनलाइन करने, शिक्षक सुरक्षा अधिनयम बनाए जाने, सम्मेलन में विभिन्न शैक्षिक मुद्दों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा के समक्ष विभिन्न चुनौतियों, शिक्षक तथा विद्यार्थियों के मुद्दों पर विचार मंथन किया गया।

बीकानेर टाउन हॉल में शिक्षक संघ एलीमेंट्री सैकण्डरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) के राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन को अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) रणजीत सिंह ने संबोधित किया।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन में अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी शहर जिलाध्यक्ष विजय कुमार आचार्य, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर के सहायक आयुक्त आईआरएस भूपेन्द्र छीपा, अतिरिक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (प्रशासन) रणजीत सिंह, अतिरिक्त निदेशक प्रारंभिक शिक्षा राजकुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा बीकानेर संभाग गोविंद नारायण माली, संयुक्त निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय टीमाराम मीणा, उप निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय डॉ. रामगोपाल शर्मा, मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक पब्लिक पार्क बीकानेर, महेन्द्र मीना, महंत लालेश्वर महादेव मंदिर शिवबाड़ी गुरूदेव स्वामी विमर्शानंद गिरी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन में शिक्षाविदों तथा शिक्षा से सरोकार रखने वाले सभी अतिथियों ने शिक्षा शिक्षार्थी पर काम करने का आव्हान किया। मंच संचालन मदनमोहन मोदी व पवन कुमार राठी ने किया। कार्यक्रम संयोजक सीताराम डूडी व सह संयोजक पवन शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मेलन में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक ओमप्रकाश गोदारा, सुनील बोड़ा, शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद, प्रदेश संरक्षक सफी मोहम्मद मंसूरी, प्रदेश महामंत्री नवल सिंह मीना, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंशाराम खिजूरी, प्रदेश प्रवक्ता राजीव चौधरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुन्दर बिश्नोई, प्रदेश विधि सहलाकार हनुमान शर्मा, उदयपुर मंडल अध्यक्ष अनीश खान, कोटा मंडल अध्यक्ष पप्पू लाल चंडालिया, जयपुर मंडल अध्यक्ष मोहनलाल बासनवाल, भरतपुर जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा, जिला संरक्षक लेखराज मीणा, राजसमन्द जिलाध्यक्ष लक्ष्मी लाल शर्मा, गंगापुर सिटी जिलाध्यक्ष राजकमल बिनौरी, कोटा

- **सम्मेलन में विभिन्न शैक्षिक मुद्दों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा के समक्ष विभिन्न चुनौतियों, शिक्षक तथा विद्यार्थियों के मुद्दों पर विचार मंथन किया गया**

जिलाध्यक्ष परमानंद गोठवाल, बारां जिलाध्यक्ष गजराज सिंह मोठपुर, पाली जिलाध्यक्ष कमलेश मीना, दौसा जिलाध्यक्ष सांवलराम सोनड़, चूरू जिलाध्यक्ष रामावतार पबरी, श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष वनीत नारंग, फलौदी जिलाध्यक्ष दुर्गाराम बिरठ, सीकर जिलाध्यक्ष देवी सिंह मीणा, जयपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष कृष्णकुमार मीना, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव, जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा, जिला महिला मंत्री हीना मिर्जा, जिला महासचिव शालिनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, जिला प्रवक्ता अविनाश आशिया, जिला संरक्षक एसएस शर्मा, धीरज बारठ, जिला विधि सहलाकार नीतू जैन, बीकानेर ब्लॉक अध्यक्ष भंवरलाल आचार्य मौजूद थे।

नोखा ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कड़वासरा,पूगल ब्लॉक अध्यक्ष सुशील बिश्नोई, बज्जू खालसा ब्लॉक अध्यक्ष सोमाराम,कोलायत ब्लॉक अध्यक्ष रामदयाल धायल सहित हजारों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

आरटीओ ऑफिस कैम्प में 89 यूनिट रक्तदान

बीकानेर, (कासं)। 33वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा प्रादेशिक परिवहन अधिकारी कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 89 यूनिट रक्त एकत्रित किया और रक्तदान के महत्व पर जोर दिया गया।

शिविर का आयोजन मेडिकल कॉलेज के सहयोग से किया गया। कैम्प के संचालन में डॉ. कालूराम मेघवाल की टीम ने रक्त बैग, उपकरण और ब्लड बैंक वाहन की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अनिल पंड्या ने स्वयं रक्तदान कर उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। इसे सड़क सुरक्षा और जीवन रक्षा से जोड़ते हुए हमें सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

जिला परिवहन अधिकारी भारती नैथानी ने बताया कि युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान में भाग लिया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों, बार एसोसिएशन के सदस्यों, यातायात यूनियन के सदस्यों और विभिन्न डीलरों के कर्मचारियों ने भी सक्रियता दिखाई। रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियां हैं, जैसे कि इससे कमजोरी होती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। डॉ. मेघवाल ने इन भ्रांतियों को दूर करते हुए बताया कि रक्तदान से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। कार्यक्रम को सफल बनाने में परिवहन निरीक्षक करणाराम और जयनारायण पूनिया की भूमिका सराहनीय रही।

सार-समाचार

महिला सशक्तिकरण की जानकारी दी

पांचू में 'राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम' को महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को पांचू पंचायत समिति सभागार में 'राजस्थान मरू उड़ान कार्यक्रम' आयोजित किया गया। महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना ने कार्यक्रम का उद्देश्य बताया और महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि महिलाएं सामान्य तौर पर अपने स्वास्थ्य और पोषण की ओर ध्यान भेज देती। इस कारण कई शारीरिक परेशानियां होती हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ठीक रहने पर ही आगे बढ़ा जा सकता है। महिला अधिकारिता विभाग के जेंडर स्पेशलिस्ट पवन ने नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना एवं कालीबाई भील उड़ान योजना के साथ महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। विकास अधिकारी जसवंत सिंह विश्नोई ने महिला सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा महिलाएं स्वयं करें। उन्होंने महिलाओं को सभी आवश्यक जानकारी रखने की सलाह दी जिससे वे साइबर क्राइम का शिकार न हों। महिला और बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक वीणा खत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना और लाडो प्रोत्साहन योजना के बारे में बताया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की एएनएम राजबाला ने 'गुड टच बैड टच' के बारे में बताया। राजीविका की ब्लॉक इंचार्ज सरोज ने महिला सशक्तिकरण की योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक रश्मि व्यास ने किया। कार्यक्रम में मानदेय कर्मी, नरेगा एवं अन्य ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी रही।

श्रम बजट का अनुमोदन किया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक शुक्रवार को जिला प्रमुख कविता की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान बैठक में महात्मा गांधी योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु आजीविका संवर्द्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की थीम पर वार्षिक कार्य योजना एवं श्रम बजट का अनुमोदन किया गया।

दूध के 33 सैम्पल की जांच में से 28 में मिलावट निकली

बीकानेर,(कासं)। उत्तरी राजस्थान सहकारी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड बीकानेर (उरमूल डेयरी) द्वारा दूध का दूध-पानी का पानी-शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत वाटर वर्क्स टंकी के पास स्थित सरस बूथ पर शिविर आयोजित कर स्थानीय उपभोक्ताओं द्वारा लाये गए दूध के सैम्पल की निःशुल्क जांच करने पर चौंकाने वाले परिणाम मिले।

अभियान प्रभारी शुभम गुलाटी ने बताया कि कुल 33 सैम्पल आये जिसमें से 28 सैम्पल फैल और केवल 05 सैम्पल ही पास हुए। फैल हुए सैम्पल्स में ग्लूकोज, स्ट्रेच, साल्ट, पावडर और पानी की अत्यधिक मात्रा में मिलावट पाई गई। उरमूल डेयरी की एक टीम जिसमें मनीष रंगा, हनुमान सियाग, उमेश, आदित्य ओझा आदि जांच शिविर लगने के पूर्व डोर टू डोर पम्पलेट वितरण कर उपभोक्ताओं को जागरूक किया। उरमूल डेयरी के

उरमूल डेयरी की ओर से वाटर वर्क्स टंकी के पास स्थित सरस बूथ पर शिविर आयोजित कर दूध के सैम्पल की निःशुल्क जांच की।

प्रबन्ध निदेशक बाबूलाल बिश्नोई ने बताया कि अधिकतर दूध बेचने वाले कृत्रिम, मिलावटी दूध एवं प्लास्टिक की केन में दूध लेकर आते हैं, जो कि स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक होती है। समय अन्तराल में उसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। उरमूल डेयरी नकली और मिलावटी दूध की निःशुल्क जांच के लिए सम्पूर्ण जिले में आगामी 17 फरवरी अभियान को जारी रखेगी।

श्रीगंगानगर में कोहरा का कहर

श्रीगंगानगर,(कासं)। जिले में अलसुबह साफ मौसम के बाद अचानक कोहरा छा गया। इससे विजिबिलिटी बेहद कम हो गई। कुछ मीटर दूर तक देख पाने में परेशानी आने लगी। इससे सुबह के समय सड़कों पर निकले लोग परेशान हुए। अचानक आया कोहरा सभी के लिए परेशानी बना।

सुबह के समय घरों से निकले वाहन चालक बेहद धीमी स्पीड से चलते दिखाई दिए। शीतलहर के कारण कंपकंपी के हालात थे। शहर के बाहर की सड़कों सूरतगढ़ रोड, पदमपुर रोड, श्रीकरणपुर रोड, पंजाब रोड और इसके आसपास के इलाकों में खेतों में सुबह के समय पहुंचे किसानों ने खेतों के बाहर की तरफ अलाव जलाकर सर्दी से निजात पाई।

शहरी इलाके में भी तेज कोहरे और सर्दी का असर साफ नजर आ रहा था। यहां चाय की थड़ियों के पास जलते अलाव पर हाथ तापने के साथ लोग चाय का आनंद लेते नजर आए।

25 साल के युवक ने फांसी लगाकर जान दी

बीकानेर, (कासं)। यहां ब्रह्मपुरी क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने सुसाइड कर लिया। महज 25 साल के इस युवक ने अपने ही घर में कमरे में शॉल से फंदा लगाकर जान दे दी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोचरी पहुंचाया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। नयाशहर थाना क्षेत्र में आने वाले मोहल्ला चूनगरान के पास ही ब्रह्मपुरी मोहल्ला है। यहां रहने वाला 25 साल का युवक शुभम बजाज अपने परिजनों के साथ रहता था। बीती रात उसने देर से खाना खाया। फिर सोने के लिए अपने कमरे में चला गया।

कुछ देर तक उसके कमरे से कोई हलचल नहीं हुई तो परिजनों ने अंदर पहुंचकर देखा। वो शॉल से फंदा लगाकर लटक चुका था। परिजनों ने ही उसे नीचे उतारा और सीधे पीबीएम अस्पताल ले गए। जहां इमरजेंसी में

- **नयाशहर थाना क्षेत्र में आने वाले मोहल्ला चूनगरान के पास ही ब्रह्मपुरी में युवक ने फांसी लगाई**
- **शॉल से फंदा लगाकर लटका**

डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका शव पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद से क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। महज 25 साल के युवक के सुसाइड करने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। किसी तरह के सुसाइड नोट मिलने की अब तक पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त, दो को पकड़ा

बीकानेर,(कासं)। जिले के लूणकरणसर थाना पुलिस ने अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त कर ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया है। ट्रक पंजाब से लूणकरनसर के रास्ते राजस्थान से आगे भेजने की तैयारी थी।

थानाधिकारी गणेश कुमार विश्नोई ने बताया कि डीएसटी टीम की सूचना पर लूणकरनसर पुलिस ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे से पंजाब की तरफ से आ रहे ट्रक में शराब भरे होने की सूचना मिली थी। ट्रक कालू टोल से नीचे उतर रहा था। इसी समय पुलिस ने ट्रक को रोककर छानबीन की। ट्रक में पंजाब में बनी एक हजार 60 पेटी अंग्रेजी शराब मिली, जिसके बाद दो लोगों को पकड़ा गया। नए कानून के तहत पुलिस की कार्रवाई जारी है। दोनों

- **पंजाब से लूणकरनसर लाते पकड़ा, गुजरात सप्लाई होनी थी**

के खिलाफ मामला दर्ज करके गिरफ्तारी की गई है। पुलिस ये पता लगा रही है कि ये शराब किसके ऑर्डर पर और कहां जा रही थी। तस्करी करने वालों ने जामनगर-अमृतसर मार्ग को अपना नया रास्ता बना लिया है। पंजाब में बनने वाली शराब बीकानेर से होते हुए गुजरात चोरी छिपे भेजने के कई मामले पहले भी सामने आए हैं। गुजरात से सटे राजस्थान के क्षेत्रों में ये शराब पहुंचती है, जहां से थोड़ी-थोड़ी मात्रों में गुजरात भेजी जाती है।

इनामी डोडा पोस्त तस्कर गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। पुलिस ने छह माह से फरार चल रहे दस हजार रूपये के इनामी डोडा पोस्त तस्कर हिम्मटसर निवासी सुंदरलाल विश्नोई को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 1 जून 2024 को जसरासर थाना पुलिस ने आरोपी महेन्द्र विश्नोई के कब्जे से 13 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया था। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच नोखा थाना पुलिस को सौंपी गई थी। मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने अब गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी अमित स्वामी के नेतृत्व में कांस्टेबल गणेश गुर्जर, राजेश मीणा, जयप्रकाश विश्नोई और गणेशाराम की टीम शामिल रही।

दोस्त ने ही रची थी 9 लाख की लूट की साजिश

नोखा, (कासं)। पुलिस ने 20 घंटों के भीतर 9 लाख रूपए की लूट के मामले का खुलासा किया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 8.35 लाख रूपए बरामद किए हैं।

एडिशनल एसपी कैलाश सिंह सांधु ने बताया कि घटना की जांच में सीसीटीवी फुटेज और परिवादी को बस स्टैंड तक छोड़ने वाले कानाराम से पूछताछ की गई। कानाराम ने पूछताछ में खुलासा किया कि 14 जनवरी को उसका जानकार मांगीलाल रामावत पैसे लेने नोखा आया था। इस दौरान उसने अपने दोस्त राकेश राव और सुनिल नायक के साथ लूट की योजना बनाई। योजना के मुताबिक कानाराम जानबूझकर मोटरसाइकिल गिराएगा

- **तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने लूट का खुलासर किया**

और उसके दोस्त पैसों का बैग लूटकर भाग जायेंगे। घटना को अंजाम देते हुए सीओ ऑफिस वाली गली में कानाराम ने जानबूझकर बाइक गिराई और उसके दोस्तों ने मांगीलाल से पैसों का बैग लूट लिया। लूट के बाद आरोपी राकेश और सुनिल हिमाचल और प्रयागराज घूमने के लिए निकल गए।

पुलिस ने डीएसटी प्रभारी सत्यनारायण, जसरासर थानाधिकारी संदीप कुमार और श्रीडूंगरगढ़ थाने की टीम ने श्रीडूंगरगढ़ में बस से प्रयागराज जा रहे आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद आरोपियों से लूट के 8.35 लाख रूपए बरामद किए गए। 15 जनवरी को नत्थूसर बास बीकानेर निवासी मांगीलाल रामावत ने मुकदमा दर्ज करवाया था कि मंगलवार को रूपए लेने नोखा आया था। वह कानाराम जाट के घर चला गया था। उससे 9 लाख रूपए लेने के बाद वापस बीकानेर रवाना हुआ। रात करीब 10 बजे वह जैसे ही राणेराव तालाब के पास पहुंचे। पीछे से एक बाइक आई जिस पर दो युवक सवार थे। बदमाशों ने उनकी बाइक को टक्कर मारकर नीचे गिरा दिया और रूपयों से भरा बैग लेकर भाग गए।

टी आकार में ओवरब्रिज बनाने की मांग, धरना व क्रमिक अनशन जारी

नोखा,(कासं)। रेलवे का टी आकार में ओवरब्रिज बनाने की मांग को लेकर नवली गेट ओवरब्रिज संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहा धरना शुक्रवार को 32 वें दिन जारी रहा।

समिति के मीडिया प्रभारी एडवोकेट लेखराम चौहान ने बताया कि धरना स्थल पर रामकिशन कस्वां, कालूराम मेघवाल, भंवरलाल मेघवाल, दानसिंह धूमपालिया, रामुराम लखारा, मनोज सुथार पांचू, शंकरसिंह देसलसर, प्रेमसिंह, भागीरथ डूडी काकड़ा, शंकरलाल महात्मा, मालचंद सोनी बूटण, हंसराज गोदारा, बद्रीराम मेघवाल, गणेश मांगर बेरासर, लालचंद रैगर आदि को माला पहनाकर क्रमिक अनशन पर बैठाया।

क्रमिक अनशन पर बैठने वालों ने अपना विरोध जताया और नारेबाजी करते हुए कहा कि जब तक रेलवे का एल से टी आकार में ओवरब्रिज बनाने

नोखा में नवली गेट ओवरब्रिज संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना व क्रमिक अनशन पर बैठे लोग।

का संशोधन लेटर नहीं आ जाता तब तक हमारा क्रमिक अनशन बढ़ता ही जायेगा। तत्पश्चात धरना स्थल पर आने वाली 29 जनवरी को विशाल जन आंदोलन को लेकर चावल पीले किए गए और धरना स्थल को संबोधित करते हुए संयोजक मगनाराम केड़ली ने कहा कि हम लोग गांव गांव ओर ढाणी-ढाणी जाकर पीले चावल बांटेंगे और आने

- **जन आंदोलन को लेकर किए चावल पीले, ढाणी-ढाणी जाकर बांटेंगे पीले चावल**

वाली 29 जनवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को पधारने का न्यौता देंगे। भाजपा की सरकार कान खोलकर सुन लें जब तक हमारी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, तब तक हम रूकने वाले नहीं है। केडली ने कहा कि यदि समय रहते हुए सरकार ने हमारी मांग नहीं मानी तो हमें उग्र रूप अपनाना पड़ेगा। इस दौरान धरना स्थल पर मोहनराम इंदलिया बाधनू, मानाराम मेघवाल चरकडा, मालचंद छींपा देसलसर, भींयाराम रायसर, सुभाष सारण, राधेश्याम नाई, हंसराज बिश्नोई माडिया, रूघाराम नाई मौजूद थे।

मेघवाल आज बीकानेर आयेंगे

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल शनिवार को बीकानेर आयेंगे।

मेघवाल प्रातः 7.20 बजे रेल मार्ग से रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। वे स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद शनिवार रात 10:30 बजे रेल मार्ग से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। स्वामित्व योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष राम गोपाल सुथार भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से स्वामित्व योजना अंतर्गत पट्टे मय प्रॉपर्टी पार्सल वितरण करेंगे तथा लाभार्थियों को संबोधित करेंगे। इसके लिए ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला स्तर पर कार्यक्रम होंगे। स्वामित्व योजना के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम रविन्द्र रंगमंच पर होगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने विभिन्न अधिकारियों को इससे जुड़ी तैयारियों के लिए निर्देशित किया है।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियोजन/2025/ **विज्ञप्ति** दिनांक : 17.1.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 46 के किला नं. 3, 4, 7 में भूखण्ड संख्या CA-21 क्षेत्रफल 35'-0'' X 72'-0'' फीट का आवासीय पट्टा संख्या 8857 दिनांक 12.09.2018 द्वारा श्रीमती इन्द्रा पत्नी श्री रविन्द्र प्रदीप शर्मा निवासी श्रीगंगानगर के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उपरोक्त आवासीय रूपान्तरित भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। आवासीय भूखण्ड को पूर्वी दिशा से मास्टर प्लान की 100 फीट चौड़ी सड़क से पहुँच मार्ग प्राप्त है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग आवासीय आरक्षित है। नगरीय विकास आवासन एवं स्वायत शासन विभाग, राजस्थान जयपुर के अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 24.02.2021 राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम 2021, अधिसूचना क्रमांक प.11 (8) नविवि/2020 ऑनलाईन राजकाज रैफ 11611406 जयपुर दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना क्रमांक प.11(8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां Development Promotion & Control Regulations (DPCR) के अन्तर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।
Rajkaj Ref No. 13048912 सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/3310 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 16.1.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती जय देवी पत्नी श्री नंद लाल निवासी गांव जोधेवाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्तानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 5 किला नं. 2 में माप 25 इंटू 25 फीट भू.सं. 6 ईस्ट पार्ट, भाम्भू कॉलोनी, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का नियमन पट्टा सं. 11227 दिनांक 8.6.2021 को श्री नरेश कुमार पुत्र श्री सरदारी लाल के नाम से जारी किया हुआ है।	श्रीमती जय देवी द्वारा उक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 9.2.2022 के द्वारा क्रय कर उक्त भूखंड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्रीमती जय देवी पत्नी श्री नंद लाल निवासी गांव जोधेवाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यायल समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/1277 सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियोजन/2025/ **विज्ञप्ति** दिनांक : 17.1.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 46 में आवासीय पट्टा विलेख न्यास कार्यालय द्वारा श्रीमती अंजू जैन पत्नी हर्ष जैन निवासी श्रीगंगानगर के नाम से निम्नानुसार जारी है :-

क्र.सं.	चक	मु. नं.	किला नं.	भू. सं.	क्षेत्रफल	पट्टा सं.	दिनांक
1	6 ई छोटी	46	8	CA-17	35'-0''X72'-0''	8565	27.6.2018
2	6 ई छोटी	46	8	CA-18	35'-0''X72'-0''	8562	27.6.2018
3	6 ई छोटी	46	7,8	CA-19	35'-0''X72'-0''	8564	27.6.2018
4	6 ई छोटी	46	3,4,7,8	CA-20	35'-0''X72'-0''	8563	27.6.2018

आवेदक द्वारा उपरोक्त आवासीय रूपान्तरित भूखण्डों का आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। आवासीय भूखण्डों को पूर्वी दिशा से मास्टर प्लान की 100 फीट चौड़ी सड़क से पहुँच मार्ग प्राप्त है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग आवासीय आरक्षित है। नगरीय विकास आवासन एवं स्वायत शासन विभाग, राजस्थान जयपुर के अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 24.02.2021 राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम 2021, अधिसूचना क्रमांक प.11 (8) नविवि/2020 ऑनलाईन राजकाज रैफ 11611406 जयपुर दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां Development Promotion & Control Regulations (DPCR) के अन्तर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्डों का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।
Rajkaj Ref No. 13048875 सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियोजन/2025/ **विज्ञप्ति** दिनांक : 17.1.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 46 में आवासीय पट्टा विलेख न्यास कार्यालय द्वारा श्रीमती सज्जन जैन पत्नी नरेश चन्द्र जैन निवासी श्रीगंगानगर के नाम से निम्नानुसार जारी है :-

क्र.सं.	चक	मु. नं.	किला नं.	भू. सं.	क्षेत्रफल	पट्टा सं.	दिनांक
1	6 ई छोटी	46	8,9,12,13	CA-14	35'-0''X72'-0''	8203	17.5.2018
2	6 ई छोटी	46	8,13	CA-15	35'-0''X72'-0''	8209	17.5.2018
3	6 ई छोटी	46	8	CA-16	35'-0''X72'-0''	8206	17.5.2018

आवेदक द्वारा उपरोक्त आवासीय रूपान्तरित भूखण्डों का आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। आवासीय भूखण्डों को पूर्वी दिशा से मास्टर प्लान की 100 फीट चौड़ी सड़क से पहुँच मार्ग प्राप्त है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग आवासीय आरक्षित है। नगरीय विकास आवासन एवं स्वायत शासन विभाग, राजस्थान जयपुर के अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 24.02.2021 राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम 2021, अधिसूचना क्रमांक प.11 (8) नविवि/2020 ऑनलाईन राजकाज रैफ 11611406 जयपुर दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां Development Promotion & Control Regulations (DPCR) के अन्तर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्डों का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।
Rajkaj Ref No. 13048742 सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियोजन/2025/ **विज्ञप्ति** दिनांक : 17.1.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 46 में आवासीय पट्टा विलेख न्यास कार्यालय द्वारा श्रीमती स्मृति जैन पत्नी चैतन्य जैन निवासी श्रीगंगानगर के नाम से निम्नानुसार जारी है :-

क्र.सं.	चक	मु. नं.	किला नं.	भू. सं.	क्षेत्रफल	पट्टा सं.	दिनांक
1	6 ई छोटी	46	12	CA-11	35'-0''X72'-0''	8204	17.5.2018
2	6 ई छोटी	46	12,13	CA-12	35'-0''X72'-0''	8205	17.5.2018
3	6 ई छोटी	46	8,9,12,13	CA-13	35'-0''X72'-0''	8201	17.5.2018

आवेदक द्वारा उपरोक्त आवासीय रूपान्तरित भूखण्डों का आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। आवासीय भूखण्डों को पूर्वी दिशा से मास्टर प्लान की 100 फीट चौड़ी सड़क से पहुँच मार्ग प्राप्त है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग आवासीय आरक्षित है। नगरीय विकास आवासन एवं स्वायत शासन विभाग, राजस्थान जयपुर के अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 24.02.2021 राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम 2021, अधिसूचना क्रमांक प.11 (8) नविवि/2020 ऑनलाईन राजकाज रैफ 11611406 जयपुर दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/2020 जयपुर दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां Development Promotion & Control Regulations (DPCR) के अन्तर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्डों का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।
Rajkaj Ref No. 13048819 सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

आठ साल बाद भारत की जर्सी पहनने का सपना अभी भी उनके भीतर पल रहा है। नायर ने विदर्भ के लिये विजय हजारे ट्रॉफी में 752 रन बनाये।

-करूण नायर

भारतीय बल्लेबाज, भारतीय क्रिकेट टीम में खेलने के सपने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रिंकू सिंह

समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज के परिजनों ने टीम इंडिया के बल्लेबाज रिंकू सिंह के साथ सगाई की खबरों को भ्रामक बताते हुये कहा है कि रिंकू के साथ प्रिया के रिश्ते की अभी बातचीत चल रही है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया में रिंकू और प्रिया की सगाई संबंधी खबरें वायरल हो रही हैं और दोनो के बीच सगाई की सूचना की पुष्टि लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे रिंकू के कुछ साथियों ने भी अपना नाम न छापने की शर्त पर की है मगर इसकी पुष्टि अथवा खंडन न तो रिंकू सिंह ने और न ही प्रिया सरोज ने अब तक किया है।

क्या आप जानते हैं ?... पुर्तगाल केक्रिस्टियानो रोनाल्डोने अब तक 217 मैचों में 135 गोल किए हैं और वह पुरुष फुटबॉल में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

द्रौपदी मुर्मु ने गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से किया सम्मानित

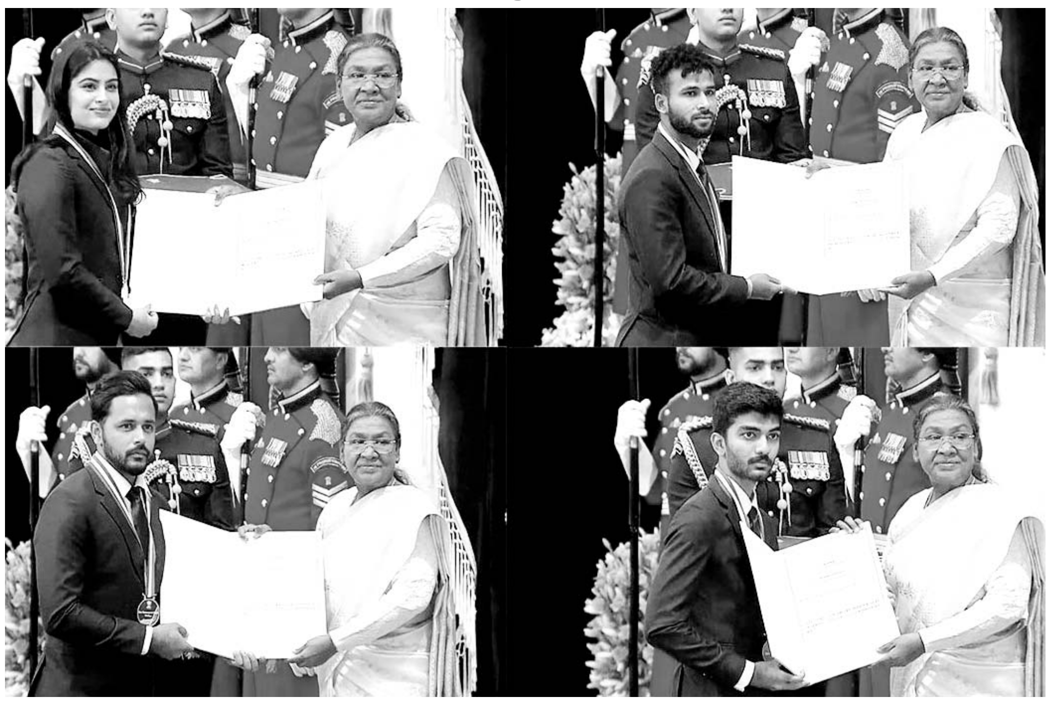

नई दिल्ली, 17 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को विश्व शतरंज चैंपियनशिप विजेता ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में मुर्मु ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कारों से सम्मानित किया।

सबसे पहले शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके बाद ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अलावा राष्ट्रपति ने अन्नू रानी को एथलेटिक्स, स्वीटी को मुक्केबाजी, वंतिका अग्रवाल को शतरंज, सलीमा टेटे, अभिषेक संजय, जरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह को हॉकी में, राकेश कुमार को (पैरा-तीरंदाजी), प्रीति पाल (पैरा एथलेटिक्स) अजित सिंह, सचिन सरजेराव खिलारी (पैरा एथलेटिक्स) और धर्मबीर (पैरा एथलेटिक्स), प्रणव सूरमा (पैरा एथलेटिक्स), एच होकातो सेमा (पैरा एथलेटिक्स), सिमरन (पैरा एथलेटिक्स), नवदीप (पैरा एथलेटिक्स), नितेश कुमार (पैरा बैडमिंटन) को, थुलासिमाती मुरुगेसन (पैरा बैडमिंटन), नित्या श्री सुमाथी सिवान (पैरा बैडमिंटन), मनीषा रामदास (पैरा बैडमिंटन), कपिल परमार (पैरा जूडो) और मोना अठावाल (पैरा निशानेबाजी) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया।

सुभाषा राणा (पैरा निशानेबाजी नियमित वर्ग), दीपाली देशपांडे (निशानेबाजी नियमित वर्ग), संदीप सांगवान (हॉकी नियमित वर्ग), एस मुरलीधरन (बैडमिंटन लाइफटाइम वर्ग) और अरमांडो एगनेलो कोलाको (फुटबॉल (लाइफटाइम वर्ग) के द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुचा सिंह (एथलेटिक्स) और मुरलीकांत राजाराम पेटकर (पैरा तैराक) को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (विजेता), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (प्रथम उपविजेता), अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (द्वितीय उपविजेता) को मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रोहित शर्मा पाक नहीं जाएंगे : सैकिया

नई दिल्ली, 17 जनवरी। कप्तान रोहित शर्मा को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलें लगाई जा रही थी कि वो चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट 2025 से पहले पाकिस्तान जाएंगे। जहां कप्तानों की बैठक में हिस्सा लेंगे। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रोहित शर्मा कम से कम एक बार पाकिस्तान जाएंगे, लेकिन अब इस मामले पर बीसीसीआई ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है।वहीं बीसीसीआई के नए सचिव देवाजती सैकिया ने कप्तानों की बैठक में रोहित के भाग लेने पर खुलकर बात की और दावा किया कि अभी तक उन्हें ऐसा कोई प्रस्ताव पीसीबी की तरफ से नहीं मिला है। सैकिया ने बताया कि आईसीसी के साथ इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। इसका मतलब है कि रोहित शर्मा के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावना कम है। देवजीत सैकिया ने आगे कहा कि ऐसा कई प्रस्ताव नहीं मिला है और आईसीसी के साथ हमारी चर्चा में ये शामिल नहीं था। हालांकि, सैकिया ने कप्तानों की बैठक में रोहित शर्मा के हिस्सा लेने की पुष्टी नहीं की, लेकिन एक करीबी सूत्र ने इसे बहुत ही नाजुक स्थिति बताया और कहा कि इस मामले को काफी संभलकर हैंडल करने की जरूरत है। क्योंकि पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का मेजबान है।

साकिब महमूद को मिला भारत दौरे के लिए वीजा

नई दिल्ली, 17 जनवरी। कोलकाता के एडेन गार्डन में 22 जनवरी से शुरु होने वाले दौरे के लिए इंग्लैंड के तेज गेंदबाज साकिब महमूद को वीजा मिल गया है। अब साकिब महमूद शुक्रवार को अपनी टीम के साथ कोलकाता की यात्रा कर सकेंगे। एडेन गार्डन में बुधवार को पहला टी-20 होना है।

अनुशासन भंग करने पर खिलाड़ियों पर लग सकता है प्रतिबंध : बीसीसीआई

मुम्बई, 17 जनवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम में 'अनुशासन, एकता और सकारात्मक माहौल' को बढ़ावा देने के लिए एक अभूतपूर्व क़दम उठाते हुए 10 बिंदुओं वाली नियामावली जारी करते हुए कहा कि इसका पालन नहीं वाले खिलाड़ियों का अनुबंध समाप्त कर उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और घरेलू क्रिकेट खेलने पर रोक लगा दी जायेगी।

'पोलिसी डॉक्यूमेंट फॉर टीम इंडिया' नामक यह नियमावली गुरुवार को खिलाड़ियों को भेज दी गई, इसे पिछले सप्ताह हुई समीक्षा बैठक की सलाह पर शामिल हैं। नियमावली में कहा गया है कि दौरे, मैच और अभ्यास के लिए खिलाड़ी अलग से यात्रा नहीं कर सकेंगे। बैठक में कहा गया कि कुछ खिलाड़ी मैच या अभ्यास के लिए टीम बस की जगह अपनी अलग से वाहन से यात्रा करते हैं, जिससे टीम का अनुशासन भंग होता है।

इसके अलावा यह भी कहा गया कि कुछ खिलाड़ी अभ्यास सत्रों में ठुप के साथ समय नहीं बिता रहे हैं, जिससे टीम का माहौल ख़राब होता है। बीसीसीआई ने कहा है कि अगर किसी खिलाड़ी को किन्हीं विशेष परिस्थितियों में मैच या अभ्यास के लिए अलग से यात्रा करनी है तो उन्हें मुख्य कोच या मुख्य चयनकर्ता से पहले से अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा उन्हें किसी अभ्यास सत्र में पूरे समय तक रहना होगा, भले ही उनका अभ्यास पहले समाप्त हो जाये। विदेश दौरों पर भी खिलाड़ियों को परिवार के साथ अलग से यात्रा करने की बजाय टीम के साथ ही यात्रा करने का सुझाव दिया गया है, ताकि टीम में अनुशासन और संगठन को बल मिले। इसमें बताया गया है कि अगर कोई सीरीज या दौरा तय समय से पहले समाप्त होने पर भी खिलाड़ी अपने मन से अलग से यात्रा न करें, इससे टीम की एकता प्रभावित होती है।

बीसीसीआई ने कहा है कि 45 दिनों या उससे अधिक के दौरे पर खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य-साथी और बच्चे (18 वर्ष तक) 14 दिनों से अधिक उनके साथ नहीं रह सकते हैं। खिलाड़ी का परिवार केवल एक बार ही उसके साथ आ सकते हैं और उनकी यात्रा की व्यवस्था कोच, कप्तान और बीसीसीआई के संचालन महाप्रबंधक की मंजूरी के बाद संबंधित खिलाड़ी को करनी होगी।

तेजस्वी गहलोत व गिरिराज खंडेलवाल का हुआ सम्मान

जयपुर, 17 जनवरी। राजस्थान ओलंपिक संघ एवं राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत व जयपुर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गिरिराज खंडेलवाल का ओलंपिक संघ के कार्यालय पर सम्मान किया गया। जिला ओलंपिक संघ, दौसा के सचिव शिवचरण रावत के नेतृत्व में आए विभिन्न खेलों संघों के पदाधिकारी ने गहलोत व खंडेलवाल का माला-साफा बंधवाकर सम्मान किया। इस अवसर पर जयपुर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष गिरिराज खंडेलवाल ने कहा की राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह के नेतृत्व में प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक नई पहल शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अब राजस्थान ओलंपिक संघ में विवादों पर विराम लग गया है। अब हमारा प्रयास रहेगा कि सभी खेलों व खिलाड़ियों के हितों के लिए हम सभी को साथ लेकर बिना किसी भेदभाव के उनका सहयोग कर आगामी दिनों में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में टीमे भेजें। इस अवसर पर जिला कबड्डी संघ, दौसा द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला सॉफ्टबॉल संघ,जयपुर के सचिव राहुल तंवर, जिला सॉफ्टबॉल संघ, दौसा के सचिव सरदार सिंह, फुटबाल के पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी रसीद अहमद, श्रीकृष्ण गुर्जर, आनंदी लाल गुर्जर, सरदार सिंह अंदाणा, सुरेश कुमार रावत सहित कई खिलाड़ी मौजूद रहे।

कोहली नहीं खेल पाएंगे रणजी ट्रॉफी मुकाबला

नई दिल्ली, 17 जनवरी। रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड का आगाज 23 जनवरी से होने जा रहा है। हालांकि, विराट कोहली के घरेलू मुकाबला खेलने पर संशय और बढ़ गया है। दरअसल, विराट कोहली की गर्दन में मोच आई है, जिसके लिए उन्होंने इंजेक्शन भी लिया है। 23 जनवरी से दिल्ली को सौराष्ट्र के खिलाफ अपना अगला मुकाबला खेलना है, दिल्ली एंव जि क्रिकेट संघ का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई अपडेट नहीं मिला है। संभवाना है कि वह बचे हुए दो रणजी ट्रॉफी मैचों में से पहले मैच को छोड़ दें और अगर डीडीसीए चयनकर्ताओं को अपडेट दिया जाता है तो तस्वीर साफ हो सकती है।

रोहित और गंभीर के बीच सबकुछ नहीं है ठीक?
इस्तीफा देंगे टीम इंडिया के हेड कोच

नई दिल्ली, 17 जनवरी। पिछले कई दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के अंदर कलह की खबरें जोर पकड़ रही हैं। कभी खिलाड़ियों के बीच आपसी मतभेद तो कभी हेड कोच गौतम गंभीर और खिलाड़ियों के बीच तालमेल ना बैठने की खबरें, अपने चरम पर हैं। वहीं राहुल द्रविड़ के बाद गौतम गंभीर को जब टीम इंडिया का हेड कोच बनाया गया तब मानो लगा भारतीय टीम नई ऊंचाइयां छुएगी लेकिन हुआ इसके बिल्कुल उलट। श्रीलंका, न्यूजीलैंड और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के हाथ भारत को करारी हार झेलनी पड़ी। या यूं कहे कि गौतम गंभीर के हेड कोच बनते ही टीम इंडिया डाउनफॉल शुरू हो गया। गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। इसके अलावा कोच और कप्तान रोहित शर्मा के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने की भी खबरें हैं। रअसल, कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान हेड कोच गौतम गंभीर और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बीच सब कुछ ठीक नहीं था। रिपोर्ट्स में इस बात का भी दावा किया गया है कि टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी कोच गौतम गंभीर के सख्त रवैये से नाखुश हैं। ऐसे में कौच गौतम गंभीर के इस्तीफा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। तो क्या वाकई में गौतम गंभीर कोचिंग पद से इस्तीफा दे देंगे? ये सवाल तेजी से फैंस के मन में बैठ गया है।

चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले रोहित ने की प्रैक्टिस

नई दिल्ली, 17 जनवरी। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा बीजीटी गंवाने के बाद से जमकर पसीना बहा रहे हैं। लंबे समय से आउट ऑफ फॉर्म चलने के बाद रोहित चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जमकर मेहनत कर रहे हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुरी तरह फ्लॉप हुए थे उस दौरान उन्होंने तीन टेस्ट में सिर्फ 31 रन बनाए थे। रोहित शर्मा व्हाइट बॉल से अभ्यास कर रहे हैं। नेट्स के अंदर रोहित अच्छी फॉर्म में दिख रहे हैं। प्रैक्टिस में रोहित ने कुछ काफी अच्छे शॉट्स खेले, उन्होंने जमीनी शॉट्स खेले और कुछ हवाई फायर भी किए।

गुकेश और हम्पी सम्मानित हुए

नई दिल्ली, 17 जनवरी। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने विश्व चैंपियन गुकेश डोमराजू को एक करोड़ रुपये और विश्व रैपिड शतरंज चैंपियन कोनेरू हम्पी को 50 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह की पूर्व संध्या पर गुरुवार को आयोजित सम्मान समारोह में एआईसीएफ ने शतरंज का प्रतिष्ठित विश्व खिताब जीतकर देश को गौरांवित करने वाले 18 वर्षीय डी. गुकेश को एक करोड़ रुपये और उनकी सपोर्ट टीम के लिए 50 लाख के नकद पुरस्कार की घोषणा की।

राजधानी

जयपुर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को परिवहन के सुगम साधन उपलब्ध करवाने तथा निर्बाध यातायात व्यवस्था के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसके लिए आवश्यक सुविधाओं और मानव संसाधन की किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि समय के साथ शहरों की बढ़ती जनसंख्या और विस्तार को ध्यान में रखते हुए यातायात एवं परिवहन व्यवस्था के लिए दूरगामी सोच के साथ कार्ययोजना बननी आवश्यक है। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर जयपुर शहर में सुगम यातायात प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर प्रदेश की राजधानी और प्रमुख शहर होने के कारण यहां यातायात दबाव अन्य शहरों की तुलना में अधिक है। यहां की यातायात समस्या का स्थाई समाधान निकालने के लिए चरणबद्ध रूप से प्लानिंग बनाकर कार्य करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को उनके आवास पर जयपुर शहर में सुगम यातायात प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, आनंद कुमार, महानिदेशक पुलिस हेमंत प्रियदर्शी, एडीजी यातायात अनिल पालीवाल के अतिरिक्त जेडीए, नगर निगम सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

- **'भविष्य की आवश्यकता के अनुसार बने यातायात एवं परिवहन व्यवस्था के लिए कार्ययोजना'**
- **सुचारू व्यवस्था के लिए यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाने का निर्देश**

शर्मा ने कहा कि जयपुर शहर की यातायात बाधित होने की समस्या के सटीक और स्थाई समाधान के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ हो। आमजन को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए त्वरित और सुगम परिवहन संसाधन उपलब्ध हो, जिससे वे निजी वाहनों की बजाए सार्वजनिक परिवहन से सफर करने को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिटी ट्रांसपोर्ट सिस्टम में नई सीएनजी एवं इलेक्ट्रिक बसों को जल्द से जल्द शामिल किया जाए, ताकि लोगों को सुचारू एवं प्रदुषण मुक्त परिवहन सेवा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाई जाए। तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में होमगार्ड तथा आरएसी बटालियन के जवानों को यातायात संचालन के लिए लगाया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख चौराहों और स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ायी जाकर यातायात नियमों को उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने कहा कि शहर के प्रमुख मॉल्स, अस्पतालों आदि के बाहर गलत ढंग से वाहनों की पार्किंग से यातायात व्यवस्था बाधित होती है। अत: लोगों को निर्धारित पार्किंग स्थल में ही वाहन खड़ा करने के लिए पाबंद किया जाए। शर्मा ने कहा कि जयपुर की चार प्रमुख सड़कों अजमेर रोड, आगरा रोड, टोंक रोड और सीकर रोड पर यातायात दबाव कम करने के लिए इस रूट पर संचालित होने वाली बसों के लिए उसी रूट पर अतिरिक्त सैटेलाइट बस स्टैंड बनाए जाए। इससे सिंधी कैंप स्थित मुख्य बस स्टैंड पर भी बसों की संख्या कम होगी। मुख्यमंत्री ने दिल्ली व आगरा जाने वाली बसों के लिए निर्धारित नारायण सिंह सर्किल बस स्टैंड को अन्यत्र जगह स्थानांतरित कर पीक आवर्स में बसें वहीं से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परकोटा क्षेत्र में यातायात का दबाव कम करने के लिए आमजन को रामनिवास बाग स्थित पार्किंग में सस्ती दरों पर पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवायी जाए तथा परकोटे में आवागमन के लिए मिनी बसें व इलेक्ट्रिक गाड़ियां संचालित किए जाए। शर्मा ने कहा कि जयपुर में अलग-अलग जोन निर्धारित कर ई-रिक्शा का संचालन किया जाए तथा हर एक जोन के लिए ई-रिक्शा का अलग रंग तय कर दिया जाए, ताकि हर रिक्शा एक क्षेत्र विशेष में चले। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के व्यापारिक संगठनों के साथ बैठक कर बाजारों को बंद रखने के लिए अलग-अलग दिन तय किए जाए तथा रात्रिकालीन बाजार के लिए भी अलग-अलग दिन निर्धारित हो। शर्मा ने सुझाव दिया कि सरकारी कार्यालयों में काम करने वाले तथा स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए विशेष बस व्यवस्था संचालित की जाए, जिससे उन्हें कार्यालय या अध्ययन स्थल तक आने-जाने के लिए आरामदायक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध हो सके।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अध्यक्ष, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, आनंद कुमार, महानिदेशक पुलिस हेमंत प्रियदर्शी, एडीजी यातायात अनिल पालीवाल के अतिरिक्त जेडीए, नगर निगम सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

असमर्थ लोगों के लिये अत्याधुनिक पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जो विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था है, के केन्द्र में आई.सी.आई.सी.आई बैंक फाउंडेशन के सहयोग से इस अत्याधुनिक पुर्नवास केन्द्र का शुक्रवार को विधिवत उद्घाटन हुआ।

जयपुर। लकवाग्रस्त और विभिन्न अन्य कारणों से ऐसे लोग जो सहजता से अपने अंगों के संचालन करने में असमर्थ हैं, के पुर्नवास के लिए नई आशा बनी है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस), जो विश्व प्रसिद्व जयपुर फुट की निर्माता संस्था है, के केन्द्र में आई.सी.आई.सी.आई बैंक फाउण्डेशन के सहयोग से इस अत्याधुनिक पुर्नवास केन्द्र का शुक्रवार को विधिवत उद्घाटन हुआ।

मालवीय नगर स्थित बीएमवीएसएस के केन्द्र में संचालित इस पुर्नवास केन्द्र की स्थापना आईसीआईसीआई बैक द्वारा सामाजिक सरोकार दायित्व योजना के अन्तर्गत की गई है। इस कार्य के लिए आईसीआईसीआई द्वारा पाँच करोड़ रुपये की सहायता मशीन और अन्य उपकरण के लिए दी गई। बीएमवीएसएस के केन्द्र में विशेष रुप से स्थापित इस केन्द्र का आईसीआईसीआई बैंक, युनाईटेड किंगडम (यू.के.) के नॉन-एक्जिक्यूटिव निदेशक स्टीफन रासेनहज एन क्रैग, माईकल जेम्स, सेरोना मैरी जोसफ के अलावा आईसीआईसीआई बैंक यूको के चीफ फाईनेशियल आफिसर धर्मवीर सिंह और सौरभ सिंह, सलाहकार आईसीआईसीआई फाउण्डेशन तथा आईसीआईसीआई के क्षैत्रिय प्रमुख रामगोपाल की उपस्थिति में केन्द्र का उदघाटन दीप प्रज्जवलित करके किया गया।

उदघाटन समारोह में बीएमवीएसएस के संस्थापक और संरक्षक डी.आर.मेहता, कार्यकारी निदेशक सलाउददीन अहमद, सचिव भूपेन्द्र मेहता सचिव, (तकनीकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता, मुख्य तकनीकी परामर्शदाता डॉ. एम.के.माथुर, परामर्शदाता डॉ. पूजा मुकुल, डॉ. ए.बी.शर्मा और डॉ. पी.के.जैन भी उपस्थित थे। इस पूरी योजना में प्रमुखतः सहयोग देने वाले संजय गुप्ता भी उपस्थित थे।

मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता ने उदघाटन समारोह के पूर्व जयपुर फुट की निर्माण विधि के बारे में बताया और कहा कि अब तक देश-विदेश के 23 लाख लोगों को जयपुर फुट और अन्य उपकरणों से लाभान्वित किया जा चुका है।

बीएमवीएसएस के सचिव, तकनीकी डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने बताया कि यह पुर्नवास केन्द्र पूरे उत्तर भारत में अपनी तरह का अग्रणी केन्द्र है जिसमें लकवाग्रस्त लोगों के लिए लैक्सो मशीन और अन्य मशीनों और उपकरणा से इलाज कर उन्हें सामान्य जीवन व्यतीत करने की सुविधा है। ब्रेन-स्ट्रोक, स्पाईनल कार्ड और अन्य मोबिलिटी की बीमारियों से ग्रस्त मरीजों और उपकरणों से पुर्नवास किया जायेगा।

डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने बताया कि रोबोटिक गेट प्रशिक्षण के हर मरीजों का उपयोगितानुसार इलाज अब केन्द्र में सम्भव हो सकेगा। लैक्सो मशीन से मरीज धीरे-धीरे लाभान्वित होकर सहज भाव से अपने अंगों का संचालन कर सकेगें और आसानी से अंग संचालन कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि बीएमवीएसएस में पहले से ही फिजियोथेरेपी केन्द्र स्थापित है जो राज्य का श्रेष्ठ केन्द्र है।

शैक्षिक सम्मेलन से शिक्षकों को प्रेरणा मिले : दिया कुमारी

जयपुर/सीकर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर का राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 2025 सीकर जिले के बाबा खीवादास पीजी महाविद्यालय सांगलिया में आयोजित हुआ। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन में शामिल होकर सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में नये विचारों, योजना और नवाचारों को प्रोत्साहित करते है। उन्होंने कहा कि राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर द्वारा किये जा रहे इस आयोजन के माध्यम से शिक्षकों को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि खींवादासजी महाराज ने हमेशा मानव एवं जीव सेवा को प्राथमिकता देते हुए समाज को जागरूक किया।

'कार्डियक टावर में हृदय रोगों का विश्वस्तरीय उपचार मिलेगा'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेहतर चिकित्सा सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया

जयपुर, 17 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चिकित्सक संवेदनाओं के साथ कर्तव्य का निर्वहन करते हुए स्वस्थ राजस्थान की हमारी संकल्पना को साकार करने में अहम भागीदारी निभा रहे हैं। प्रदेशवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम 'आपणो स्वस्थ राजस्थान' की संकल्पना पर काम करते हुए, उत्कृष्ट एवं खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आमजन को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) के माध्यम से 25 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए 73 डे केयर पैकेज, शिशुओं के उपचार के लिए 419 पीडियाट्रिक पैकेज, 8 लाख वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैशलेस उपचार जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। साथ ही, मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों से सोनोग्राफी कराने की निशुल्क सेवा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों का हैल्थ रिकॉर्ड डिजीटली सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश में करीब 6 करोड़ लोगों की आभा आईडी बनाई जा चुकी है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के करीब 21 हजार पदों पर नियुक्ति दी हैं।

चिकित्सा विभाग में लगभग 50 हजार पदों पर भर्ती का लक्ष्य है, जिसे हम जल्द पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद को संबोधित किया। उन्होंने कहा हम "आपणो स्वस्थ राजस्थान" की संकल्पना पर काम करते हुए उत्कृष्ट एवं खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

■ **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र विशेषज्ञों तथा संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में चर्चा की।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में विश्वस्तरीय मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। इसी क्रम में, जयपुर में जल्द ही आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त कार्डियक टावर की सुविधा मिलेगी, जहां हृदय रोगों का विश्वस्तरीय उपचार उपलब्ध होगा।

साथ ही, प्रतापनगर स्थित आरयूएचएस अस्पताल को एम्स की तर्ज पर रिम्स के रूप में विकसित किया जा रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'मा' योजना से आमजन को बहुत लाभ मिल रहा है।

इस दौरान, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री ए. राठौड़ सहित, विभागीय अधिकारी एवं महावीर विकलांग समिति, महावीर कैंसर हॉस्पिटल, नारायणा हॉस्पिटल, आईएमए राजस्थान ब्रांच, राजस्थान डेंटल काउंसिल, मारवाड़ मेडिकल कॉलेज, आरयूएचएस, आरोग्य भारती, रेडक्रॉस सोसायटी, नारायण सेवा संस्थान के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

बंबई के मुख्य न्यायाधीश अब दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश बने

मुंबई, 17 जनवरी। बंबई उच्च न्यायालय के 47वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय शुक्रवार को अपने पद से स्थानांतरित हुए और वह जल्द ही दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे।

गत 13 जनवरी को भारत सरकार के संयुक्त सचिव जगन्नाथ श्रीनिवासन ने अधिसूचना जारी की थी कि संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने, देश के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करने के बाद, न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय, मुख्य न्यायाधीश,

■ **न्यायमूर्ती देवेन्द्र कुमार उपाध्याय के स्थान पर तेलंगाना के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे बंबई में पदभार संभालेंगे।**

बंबई उच्च न्यायालय को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित किया है और उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने के लिए कहा गया है।

न्यायमूर्ति उपाध्याय का दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरण उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम की सिफारिश के एक हफ्ते बाद हुआ है। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालेंगे।

यूजीसी ने राजस्थान के 14 विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर घोषित किया

छात्रों को यह भय है कि डिफॉल्टर विश्वविद्यालयों की मान्यता रद्द हो गई तो उनकी डिग्री का क्या होगा

बीकानेर, 17 जनवरी (कासं)। यूजीसी द्वारा राजस्थान के 14 विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर घोषित किया गया है। इनमें सात सरकारी विश्वविद्यालय भी शामिल हैं। विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर घोषित करने के बाद, इनकी मान्यता खोने का खतरा है, जिससे छात्रों की डिग्रियां प्रभावित होने की आशंका है।

यूजीसी द्वारा डिफॉल्टर विश्वविद्यालयों की सूची में राज्य के निम्न 14 विश्वविद्यालय शामिल हैं- जयनारायण व्यास विवि. जोधपुर, महाराजा गंगासिह यूनिवर्सिटी बीकानेर, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एण्ड ऐनिमल साइंस बीकानेर, स्वामी केशवानंद राजस्थान एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बीकानेर, जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी जोधपुर, विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी जयपुर, कोटा की यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा, एपेक्स यूनिवर्सिटी जयपुर, मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी जोधपुर, प्रताप यूनिवर्सिटी जयपुर, पेसिफिक मेडिकल यूनिवर्सिटी उदयपुर, श्री कल्लाजी वैदिक विवि. निम्बाहेडा चित्तौड़गढ़, बाबा आम्टे दिव्यांग यूनिवर्सिटी जयपुर, जय मीनेश आदिवासी यूनिवर्सिटी कोटा आदि शामिल हैं।

■ **इन दिनों बीपीएड के फार्म भरे जा रहे हैं। कई छात्रों के अभिभावक शिक्षा निदेशालय में अधिकृत जानकारी लेने के लिये घूम रहे थे। मान्यता रद्द हुई तो आवेदन शुल्क का क्या होगा।**

इन विश्वविद्यालयों के डिफॉल्टर घोषित होने से छात्र-छात्राओं में भय का माहौल है। उधर बीपीएड के इन दिनों फार्म भरे जा रहे हैं। शुक्रवार को बीपीएड के फार्म भरने वाले कई छात्र शुक्रवार को शिक्षा निदेशालय में असमंजस की स्थिति में अधिकारियों से इस बारे में जानकारी लेते देखे गए। कई छात्रों के अभिभावक भी निदेशालय में इस उम्मीद के साथ घूम रहे थे कि उन्हें यह अधिकृत जानकारी मिल जाए कि डिफॉल्टर विश्वविद्यालय में आवेदन शुल्क जमा करायें या नहीं। अभिभावकों व छात्रों का यह भी कहना था कि डिफॉल्टर विश्वविद्यालय से आवेदन करने वाले कोर्स/डिग्री की अगर मान्यता नहीं है, तो ऐसी स्थिति में उनके द्वारा जमा कराया गया आवेदन शुल्क भी वापस नहीं होगा। इससे उनका दोहरा नुकसान होगा।

बताया जा रहा है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सभी विश्वविद्यालयों को लोकपाल की नियुक्ति करना अनिवार्य किया गया है, ताकि छात्रों के मामलों को गंभीरता से सुनकर उनका हल निकाला जा सके। लोकपाल की नियुक्ति के लिए भी कई प्रावधान किये गये हैं। इनमें सेवानिवृत न्यायाधीश को लोकपाल नियुक्त करने सहित अन्य प्रावधान शामिल हैं।

डिफॉल्टर विश्वविद्यालयों को यूजीसी की ओर से चेतावनी जारी की गई है, ताकि वे जल्द से जल्द लोकपाल नियुक्त करें। इस पूरे मामले में, राज्य सरकार, शिक्षा विभाग सहित संबंधित प्रशासनिक मशीनरी द्वारा कोई दिशा निर्देश या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है। इससे राज्य के हजारों छात्र-छात्राओं के समक्ष असमंजस व भय का माहौल है। यूजीसी की ओर से, राज्य के तीन विश्वविद्यालयों को पीएचडी पाठयक्रमों को प्रवेश के लिए पांच साल के लिए अपात्र घोषित किया है। ये ओपीजेएस विश्वविद्यालय चूरू, सनराइज विवि. अलवर तथा सिंघानिया विवि. झुंझनूं शामिल हैं।

सिंडीकेट बैंक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपी भरत बंब की अटैच की गई प्रॉपर्टी पर पूर्व में दिए गए स्टे को हटाते हुए केन्द्र सरकार की याचिका खारिज कर दी थी। केन्द्र सरकार के एएसजी आरडी रस्तोगी ने बताया कि इस मामले में ईडी ने भरत बंब की फर्म मैसर्स उदयपुर एंटरटेंमेंट वर्ल्ड प्रा.लि. की प्रॉपर्टी को अटैच करने की कार्रवाई की थी। ईडी की इस कार्रवाई को किसी अन्य पक्षकार ने मामले के तथ्य छिपाते हुए एनसीएलटी मुंबई के समक्ष चुनौती दी, जिस पर एनसीएलटी मुंबई ने ईडी की अटैच कार्रवाई को ही रद्द कर दिया। एनसीएलटी के इस आदेश को केन्द्र सरकार ने हाईकोर्ट की एकलपीठ में चुनौती दी। एकलपीठ ने 6 जुलाई 2023 को एनसीएलटी के आदेश पर स्टे दे दिया, लेकिन बाद में एकलपीठ ने 18 सितंबर 2024 के आदेश से इस स्टे को हटाते हुए याचिका को खारिज कर दिया। केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया कि मामले में किसी अन्य पक्ष ने केस के तथ्यों को छिपाया है, जो गलत है। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में यथा स्थिति के आदेश देते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है।

ठेकेदार पदमचंद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में है और उसे मूल प्रकरण में पहले ही जमानत दी जा चुकी है। इसलिए उसकी विशेष अनुमति याचिका को स्वीकार कर उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए ईडी की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता आरोपी पीएचईडी टेंडर घोटाले में करीब 136.41 करोड़ रुपए की बड़ी राशि के गबन में शामिल है। वहीं, सह आरोपी पीयूष जैन और संजय बड़ाया की तुलना में याचिकाकर्ता आरोपी पर लगाए गए आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन में फर्जी दस्तावेज से करोड़ों रुपए के टेंडर लेने के मामले में एसीबी ने साल 2023 में कार्रवाई करते हुए, श्याम ट्ययूबवेल कंपनी के संचालक पदमचंद जैन, उसके बेटे पीयूष जैन सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। वहीं, बाद में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अलग से प्रकरण दर्ज कर गत 13 जून को पदमचंद जैन को गिरफ्तार किया था।

कंगना रानौत ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी के काफी नजदीक दिखाये गये हैं। वे इंदिरा गांधी से वादा कर रहे है कि वे, पृथक सिक्ख राज्य के बदले में, कांग्रेस को वोट दिलायेंगे। यह दृश्य "आपत्तिजनक" एवं सिक्ख समुदाय की छवि को क्षति पहुँचाने वाला था।

एसजीपीसी की दलील यह है कि भिन्डरवाले का इससे कोई सम्बन्ध नहीं है तथा वे उस समय परिदृश्य में कहीं थे ही नहीं। वे "दमदमी टकसाल" के प्रमुख भी, कर्तार सिंह के निधन के बाद, 1977 में बने थे।

अजायब सिंह ने कहा, "सिक्खों द्वारा किये गये शान्तिपूर्ण विरोध को फिल्म का हिस्सा बिल्कुल नहीं बनाया गया। और तो और, भिन्डरवाले, जो उस समय परिदृश्य में कहीं थे ही नहीं, को नकारात्मक स्वरुप में सिक्ख-प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह सिक्खों की छवि को खराब करने की राजनीति - प्रेरित कोशिश है, जिसके अन्तर्गत, सिक्खों को शान्ति-भंजक तथा राष्ट्र-विरोधी के रूप में चित्रित किया गया है।"

उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि पंजाब के नेताओं, विशेष रूप से शिरोमणि अकाली दल के नेताओं, जिनमें प्रकाश सिंह बादल, गुरुचरण सिंह तथा अन्य लोग शामिल थे, ने इन्दिरा गांधी के आपातकाल लगाने के निर्णय का शान्तिपूर्ण विरोध किया था, जिसके फलस्वरुप वे लोग गिरफ्तार कर लिये गये थे।

इससे पूर्व, एसजीपीसी फिल्म-निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेज चुका था। इन नोटिसों के प्रत्युत्तर में उन्होंने कहा था कि आपत्तिजनक हिस्से हटा दिये जायेंगे, लेकिन इस सम्बन्ध में कोई आधिकारिक पत्राचार नहीं हुआ था।

उन्होंने कहा, "एसजीपीसी को विश्वास में लिया ही नहीं गया तथा सिक्ख संगठन का कोई भी प्रतिनिधि सैंसर बोर्ड में नियुक्त नहीं किया गया, जो हमारी आपत्तियों से बोर्ड को अवगत करा सके। इसके अलावा, फिल्म के फायनल प्रिन्ट के बारे में कोई संकेत नहीं दिये गये।

सिक्खों के इस संगठन की कार्यकारिणी एवं साधारण सभा में 28 सितम्बर, 2024 को फिल्म के खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित हुआ था, जिसमें इस पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

एसजीपीसी ने सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा "सैन्ट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन" के चेयरपर्सन प्रसून जोशी को भी पत्र लिखे हैं तथा फिल्म की तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत की गई विषयवस्तु को हटाने के लिये कहा है। परिणामस्वरुप, 6 सितम्बर को होने वाली रिलीज टाल दी गई थी। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुवीर सिंह ने उस समय इसे "सिक्ख-विरोधी फिल्म" कहा था तथा इसकी रिलीज पर रोक लगाने की माँग की थी।

कोटा में जेईई मेन की तैयारी कर रहे छात्र ने आत्महत्या की

उड़ीसा के छात्र ने अंबेडकर नगर की पीसी में फाँसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, 17 जनवरी (निसं)। कोटा में इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा, जॉइंट एंट्रेंस एग्ज़ाम मेन की तैयारी कर रहे उड़ीसा के एक छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र विज्ञान नगर थाना इलाके के अंबेडकर नगर के एक पीजी में रहता था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र के शव को फंदे से उतारकर अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवा दिया। घटना के संबंध में उसके परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजनों के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम और अन्य प्रक्रिया की जाएगी।

फिलहाल, आत्महत्या के कारण सामने नहीं आए हैं। छात्र के कमरे को बंद कर दिया गया है। परिजनों के सामने जांच की जाएगी। विज्ञान नगर थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि छात्र उड़ीसा के मयूरगंज का रहने वाला था और कोटा में रह कर पढ़ाई कर रहा था। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

■ **गुरुवार की रात टिफिनवाला आया तो छात्र ने दरवाजा नहीं खोला तब टिफिनवाला पास के हॉस्टल से कुछ छात्रों को लेकर आया। तेज धक्का देने पर कमरे का दरवाजा खुला तो छात्र मृत अवस्था में मिला।**

कोचिंग संस्थान के प्रतिनिधि ने बताया कि उनकी पड़ताल में सामने आया है कि छात्र बीते 1 साल से क्लास में नहीं आ रहा था। उसने 2 साल पहले कोचिंग संस्थान में एडमिशन लिया था और 11वीं के साथ जेईई की तैयारी की थी। इसके बाद 12वीं में उसने क्लासेज अटेंड नहीं की हैं। उसका अकांउट भी इनएक्टिव है। मकान मालिक राजेन्द्र जैन का कहना है कि उनके यहां पर अप्रैल 2024 से यह छात्र रहता था। गुरुवार रात को जब टिफिन वाला आया, तब छात्र ने कमरा नहीं खोला, इसके बाद टिफिन सर्विस वाला पास के हॉस्टल से कुछ बच्चों को लेकर आया और दरवाजे को तेज धक्का दिया। कमरे में छात्र मृत अवस्था में मिला। इस संबंध में रात में ही पुलिस को सूचना दे दी गई थी। हॉस्टल में 17 रूम हैं, लेकिन 4 में ही बच्चे रह रहे हैं। बाकी पूरा खाली पड़ा हुआ है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि प्रशासन, पुलिस, नगर निगम के अग्निशमन और एफएसएल टीम ने जांच की है। जांच में काफी कमियां मिली हैं। अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता नहीं थी। साथ ही कमरों में हैंगिंग डिवाइस भी नहीं था। इसके बाद हॉस्टल को सीज किया गया है। इस तरह के अन्य पीजी की भी जांच की जाएगी।

ज्ञातव्य है कि जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम 22 जनवरी से शुरू होने वाला है और इसकी तैयारी कर रहे दो छात्र इस साल पहले भी आत्महत्या कर चुके हैं। यह साल का तीसरा मामला है।

एक छात्र बिहार और दूसरा मध्यप्रदेश का निवासी था। इन घटनाओं के बाद ही जिला प्रशासन ने भी जेईई एग्ज़ाम को देखते हुए इस परीक्षा में शामिल हो रहे कैंडिडेट्स से वन टू वन मॉनिटरिंग की बात कही थी। इसको लेकर फील्ड में सर्वे भी किया गया था। साथ ही, सभी हॉस्टल्स और पीजी संचालकों को सचेत रहने के लिए भी हिदायत दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। ज्ञातव्य है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने आप सरकार को आचार संहिता की ओर ध्यान दिये बिना, 5 जनवरी से पहले एमओयू पर हस्ताक्षर करने के आदेश दिये थे।

उच्च न्यायालय का यह आदेश उस समय आया, जब न्यायालय सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 2017 की पीआईएल पर स्वैच्छा से विचार कर रहा था।

आदेश में कहा गया था कि जब 33 राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेश इस स्कीम को लागू कर चुके हैं, तो दिल्ली में पीएम-एबीएचआईएम का लागू न होना न्यायोचित नहीं होगा।

पूर्व सीएम चंपई सोरेन अस्पताल में भर्ती

जमशेदपुर, 17 जनवरी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की तबीयत शुक्रवार को अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें जमशेदपुर स्थित टाटा मेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सरायकेला विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक चंपई सोरेन ने सोशल मीडिया पर अपनी तबीयत की जानकारी दी और कहा कि डॉक्टरों ने चिंता की कोई बात नहीं बताई है।

चंपई सोरेन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ हैं। सोरेन को पेट की बीमारी के कारण हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया।

सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण मुझे आज सुबह टाटा मेन हॉस्पिटल (जमशेदपुर) में भर्ती कराया गया है।

मुम्बई-अहमदाबाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिशत ब्याज दर पर और 20 साल की मोरेटोरियम अवधि के साथ प्रदान किया जा रहा है। अगर यह तर्क सही भी हो, तो भारत की एक अन्य समस्या यह है कि जापान शिंकान्सेन ट्रेनों की एक नई शृंखला विकसित कर रहा है और सूत्रों के अनुसार, वह भारत को यह नया संस्करण देने को तैयार नहीं है। नया संस्करण बनाने में किसी भी स्थिति में लगभग डेढ़ साल का समय लगेगा। इसलिए, यदि भारत अगले साल उच्च गति परीक्षण करने की योजना को आगे बढ़ाना चाहता है, तो उसे कुछ रैक्स "किराए पर" प्राप्त करने होंगे।

सिद्धारमैया व शिवकुमार के बीच कर्नाटक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में पूरे होने पर शुरु होगा। उन्होंने कहा, "यह समय 2025 दिसंबर में शुरु होगा। उसके पहले, नेतृत्व परिवर्तन की कोई बात करना बेमानी है।"

सूत्रों ने कहा कि हाईकमान शायद यथास्थिति को बिगाड़ना नहीं चाहेगा, क्योंकि सिद्धारमैया को कांग्रेस विधायक दल के बहुमत के साथ-साथ कई शक्तिशाली मंत्रियों और अल्पसंख्यक, दलित व ओ.बी.सी. नेताओं का समर्थन प्राप्त है। एक सूत्र ने कहा, "यह मान लें कि नए नेता के बारे में कांग्रेस विधायक दल निर्णय लेगा, फिर भी शिवकुमार की संभावना कम है।" शिवकुमार को प्रभावशाली वोकलिगा के एक वर्ग और लिंगायत विधायकों के साथ-साथ उत्तर कर्नाटक क्षेत्र के कुछ मंत्रियों का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2024 की दूसरी छमाही के दौरान, उप मुख्यमंत्री द्वारा विधायकों के बीच अपना समर्थन बढ़ाने की कोशिशों की खबरें आई थीं।

लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के असंतोषजनक प्रदर्शन ने शिवकुमार की सौदेबाजी की शक्ति को कम कर दिया है। शिवकुमार के प्रभाव क्षेत्र, वोकलिगा प्रभुत्व वाले दक्षिण कर्नाटक क्षेत्र में, 9 सीटों पर कांग्रेस किसी भी तरह का प्रभाव छोड़ने में विफल रही। अब सिद्धारमैया कैंप भी कांग्रेस हाई कमान के इस प्रस्ताव की बात कर रहा है कि लोकसभा चुनावों के छः महीनों के अंदर नया पी.सी.सी. अध्यक्ष नियुक्त किया जाए। इस बुधवार को जरकीहोली ने यह बात कही और स्थाई अध्यक्ष नियुक्त करने की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि मंत्रीगण पार्टी के काम के लिए अपने आपको समर्पित नहीं कर सकते।

गुरुवार को, गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने पी.सी.सी. नेतृत्व परिवर्तन की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह मांग वैध है, क्योंकि शिवकुमार के पास मंत्री के रूप में दो बड़े विभाग, बेंगलुरु विकास, और जल संसाधन हैं। उन्होंने कहा, "जब मैं राज्य पार्टी अध्यक्ष था, तो मुझे भी इस स्थिति का सामना करना पड़ा था, मैंने पार्टी को प्राथमिकता दी।" उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस के नेता इस विषय पर आलाकमान के फैसले का इंतज़ार कर रहे हैं।

31 जनवरी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। इसके बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। इसके बाद, एक फरवरी को वित्त मंत्री सीतारमण लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी।

सूचना सहायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में से प्रश्न संख्या 125 के तकनीकी होने के कारण उसे नए सिरे से देखा जाए। इस पर अदालत ने आगामी सुनवाई पर अदालत के सहयोग के लिए विशेषज्ञ को बुलाया है। याचिका में अधिवक्ता आरपी सैनी ने बताया कि 16 जनवरी 2023 को कर्मचारी चयन बोर्ड ने सूचना सहायक के 2730 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया। इसके बाद पदों की संख्या को बढ़ाकर 3415 कर दिया। भर्ती की लिखित परीक्षा 21 जनवरी 2024 को हुई और प्रथम उत्तर कुंजी 2 फरवरी 2024 को जारी हुई। इसके बाद अभ्यर्थियों से आपत्तियां मांगी गई और एक जुलाई 2024 को परिणाम घोषित कर उत्तर कुंजी भी जारी की गई। इसमें करीब 10 प्रश्नों के उत्तर सही होते हुए भी बदल दिए गए। इसके अलावा, कुछ प्रश्नों को डिलीट भी कर दिया गया। इसके चलते प्रार्थी के भर्ती में कम अंक आए। इसलिए विवादित प्रश्न-उत्तरों की जांच के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाई जाए। वहीं, बोर्ड की ओर से नियुक्तियां दी गई तो भर्ती में तीसरे पक्षकार के भी अधिकार सृजित हो जाएंगे। इसलिए भर्ती में नियुक्ति पत्र जारी करने पर रोक लगाई जाए।

पिछली सरकार में फर्जी डिग्रियों से मिली थी, कई लोगों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। इस मार्कशीट में गणपतलाल को 19 जुलाई 2022 को उत्तीर्ण बताया था, जो कि आवेदन फॉर्म दाखिल करने से पूर्व का है। मजेदार बात यह है कि गणपतलाल ने आवेदन और दस्तावेज सत्यापन के समय अलग-अलग यूनिवर्सिटी का जिक्र किया। उसने चारो सेमेस्टर की अंकतालिका में रोल नंबर भी एक ही बताये, जबकि, आमतौर पर, किसी विद्यार्थी का यूनिवर्सिटी में एनरोलमेंट नंबर एक हो सकता है, परंतु चारों सेमेस्टर में रोल नंबर एक समान नहीं होता। इससे साफ जाहिर होता है कि उसने 'बैकडेट' में फर्जी डिग्री हासिल की है। इस संबंध में कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक जालौर ने 15 जनवरी 2025 को अपनी रिपोर्ट में साफ टिप्पणी की है। ताज्जुब की बात है कि इस फर्जीवाडे के बावजूद तत्कालीन गहलोत सरकार ने गणपतलाल को वर्ष 2023 में नौकरी दे दी थी।

दूसरे प्रकरण के मुताबिक, अभ्यर्थी विक्रम ने ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी चूरू की फर्जी डिग्री लगाकर शारीरिक शिक्षा अध्यापक की नौकरी हासिल की। उसने 3 जनवरी 2024 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय वार्ड नंबर 2, कोलियो की गड़ी होतीगांव में कार्यभार संभाला था। कर्मचारी चयन आयोग और शिक्षा विभाग द्वारा विक्रम के दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि, विक्रम ने 22 जुलाई 2022 को आवेदन के समय डी.पी.एड. की डिग्री चूरू की ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी की बताई और रोल नंबर "आर1939011212" बताया और 65 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उतीर्ण करना दर्ज किया। बाद में दस्तावेज सत्यापन के समय विक्रम ने इसी यूनवर्सिटी की जो अंकतालिका पेश की, उसमें रोल नंबर "21बीपीईडी1445" था और परीक्षा 74.72 प्रतिशत अंकों के साथ उतीर्ण करना दर्शाया हुआ था।

तीसरे प्रकरण के मुताबिक, अभ्यर्थी राजाराम बेनीवाल ने आर.टी.एम.एन. यूनिवर्सिटी नागपुर और श्री सत्य सांई यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंस सेहोर मध्यप्रदेश की फर्जी डिग्री के बलबूते पर शारीरिक शिक्षक की नौकरी हासिल की थी। उसने 5 अक्टूबर 2023 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रेशमा की ढाणी आलासन में कार्यभार संभाला था। राजाराम ने 21 जुलाई 2022 को आवेदन फॉर्म में बीपीएड की डिग्री आर.टी.एम.एन. यूनिवर्सिटी की बताते हुए रोल नंबर "246888" दर्ज किया था। बाद में दस्तावेज सत्यापन के समय उसने बीपीएड की डिग्री श्री सत्य सांई यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंस सेहोर मध्यप्रदेश की पेश की, जिसमें रोल नंबर "191009013144" अंकित था।

चौथे प्रकरण के मुताबिक, अभ्यर्थी सुरेश कुमार ने बी.पी.एड. कलिंगा यूनिवर्सिटी और जे.एस. यूनिवर्सिटी के फर्जी डिग्रियां पेश करते हुए 19 सितंबर 2023 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जानवी ग्राम में शारीरिक शिक्षक का कार्यभार संभाला था। उसने खुद को 22 जुलाई 2022 को आवेदन फॉर्म में बी.पी.एड. यूनिवर्सिटी का अध्ययनरत छात्र बताते हुए रोल नंबर "53बीपीईडी11203827" बताया था और परिणाम लंबित बताया था। परंतु दस्तावेज सत्यापन के समय सुरेश कुमार ने जे.एस. यूनिवर्सिटी से बी.पी.एड की डिग्री पेश की, जिसमें रोल नंबर "191330015034" अंकित था। यह डिग्री 30 अक्टूबर 2021 को जारी की हुई थी, यानि कि आवेदन फॉर्म दाखिल करने से पूर्व।

पांचवे प्रकरण के मुताबिक, अभ्यर्थी परमेश्वरी विश्नोई ने जे.एस. यूनिवर्सिटी की फर्जी अंकतालिका पेश करते हुए 19 सितंबर 2023 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पाण्डगिरी गांवडी में शारीरिक शिक्षक का कार्यभार संभाला था। उसने 19 जुलाई 2022 को आवेदन दाखिल करते समय खुद को जे.एस. यूनिवर्सिटी से डी.पी.एड. की अध्ययनत छात्रा बताया और परिणाम लंबित बताते हुए रोल नंबर और प्राप्त अंक प्रतिशत का जिक्र नहीं किया। बाद में दस्तावेज सत्यापन के समय उसने डी.पी.एड. के स्थान पर बी.पी.एड की चतुर्थ सेमेस्टर की डिग्री पेश की, परंतु इसमें 15 अक्टूबर 2022 को परीक्षा उतीर्ण दर्शाया गया था। हालांकि परमेश्वरी ने विभाग को मानवीय भूल होने का हवाला देते हुए राहत की मांग की थी। परंतु कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक जालौर ने 15 जनवरी 2025 को जो टिप्पणी की है, उसमें इस गलती को मानवीय भूल मानने से मना किया है।

छठवें प्रकरण के मुताबिक, अभ्यर्थी विमला ने 22 जुलाई 2022 को अपना आवेदन फॉर्म भरते हुए बी.पी.एड की डिग्री कलिंगा यूनिवर्सिटी से करना बताया और रोल नंबर "036493" अंकित किया। बाद में दस्तावेज सत्यापन के समय वर्ष 2022 में चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा उतीर्ण करने की डिग्री पेश की, जिसमें रोल नंबर "220412257" अंकित था। विमला ने इस डिग्री के दम पर 19 सितंबर 2023 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सांवलावास में शारीरिक शिक्षक का कार्यभार संभाला था। हालांकि विमला ने कर्मचारी चयन आयोग और शिक्षा विभाग को डिग्री में रोल नंबर की गड़बड़ी को मानवीय भूल बताया था, परंतु कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक जालौर ने 15 जनवरी 2025 को जो टिप्पणी की है, उसमें इस गलती को मानवीय भूल मानने से मना किया है।

इस मामले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अफसरों से बात करने की कोशिश की गई, परंतु उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच अब पुलिस और एस.आई.टी. कर रही है, इसलिए हम कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते है। संभव है कि कुछ लोग इस मामले को लेकर अदालत में भी जाएं। चर्चाएं यह भी है कि पिछली सरकार के समय अफसरों की मिलीभगत पर भी अब शिक्षा विभाग के मौजूदा अफसर टिप्पणी करन से बच रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि अलवर जिले में भी इसी तरह फर्जीवाडे के कई मामले सामने आये हैं, जिनकी जांच विभाग कर रही है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908